सितंबर (द्वितीय) 2021 | ₹35.00

चंपक

J

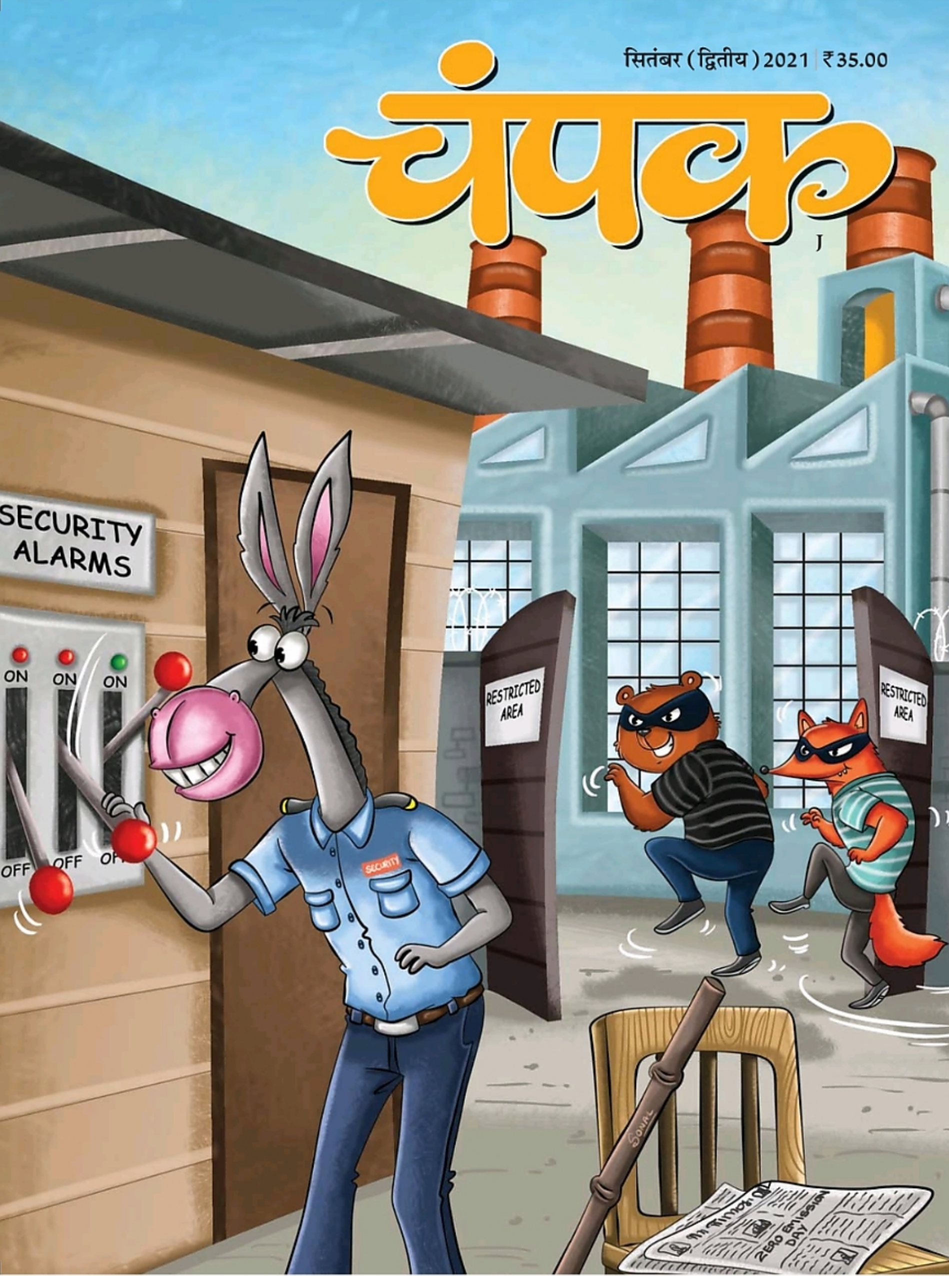
SECURITY ALARMS
ON
ON
ON
OFF
OFF
OFF
SECURITY
RESTRICTED AREA
RESTRICTED AREA
ZERO EMISSION DAY
SONAL

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.COM

DELHI PRESS

HAPPIER
CHILDHOODS
GUARANTEED

If you are looking for magazines that will help spark the imagination of your child, look no further! Dedicated to broadening the horizons of children aged 2-12 years, *Champak*, *Highlights Genies* and *Highlights Champs* are an essential part of your child's reading list.

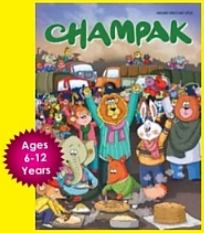
CHAMPAK
Ages 6-12 Years

India's largest read children's magazine

Highlights CHAMPS
Ages 6-12 Years
SMILE!
What is FAIRY BREAD?
Slo-Mo SLOTH
Create Your SILLY HERO Name
America's leading children's magazine is now in India!

America's leading children's magazine is now in India!

Highlights Genies
Ages 2-6
Ages 2-6 Years
Find this hidden spoon!
Sloth Party Guide
America's leading early-childhood magazine is now in India!

America's leading early childhood magazine is now in India!

To subscribe : SMS 8588843436 | Call toll free no.1800 103 8880 | visit www.delhipress.in/subscribe | email subscription@delhipress.in

चंपक

सितंबर (द्वितीय) 2021 अंक : 1221

संस्थापक
विश्वनाथ
1917-2002

सुनो कहानी

हाथी और कंप्यूटर शिक्षा 4
जन्मदिन की पार्टी 14
साहसी उर्विल 22
भिंडी का व्यापार 29
वीर की लिखावट 34
चोरी का रहस्य 38
खुशियों की बारिश 47

मुखपृष्ठ

21 सितंबर को जीरो इमिशन यानी शून्य उत्सर्जन दिवस है. यह हमारी पृथ्वी का छुट्‌टी का दिन है. आप इस दिवस को कैसे मनाएंगे? इस अंक में इस बारे में और भी बहुत कुछ पढ़िए.

मन बहलाओ

सुंदर रंग भरो 9
याददाश्त बढ़ाएं 10
कार मुक्त दिवस 11
देखो हंस न देना 12
बताओ तो जानें 18
सही अंक का पता लगाएं 20
ओजोन परत की रक्षा करें 21
समय बताएं 25
बिंदु मिलाओ 28
स्मार्ट 33
चित्र पूरा करें 36
नदियों के नाम सही करें 37
अंतर बताओ 46

चित्र कथाएं

डमरू और प्रोफैसर रौबिन 13
चीकू 26
दादाजी और जीरो इमिशन डे 42

विशेष पृष्ठ

मजेदार विज्ञान 19
नन्ही कलम से 44

संपादक व प्रकाशक ● परेश नाथ

संपादकीय, विज्ञापन व प्रकाशन कार्यालय :
दिल्ली प्रेस भवन, ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी मार्ग, नई दिल्ली-110055. फोन : 41398888, 23529557-62.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक परेश नाथ द्वारा ई-8, झंडेवाला एस्टेट, नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित एवं पीएस पीसी प्रैस प्राइवेट लिमिटेड, डीएलएफ-50, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा -121003 से मुद्रित. संपादक - परेश नाथ.

Sold on the condition that jurisdiction for all disputes concerning sale, subscription and published matter will be in courts/forums/tribunals at Delhi.

चंपक में प्रकाशित कथा साहित्य में नाम, स्थान, घटनाएं व संस्थाएं काल्पनिक हैं और किसी से उन की समानता संयोग मात्र है.
प्रकाशनार्थ रचनाओं के साथ टिकट लगा पता लिखा लिफाफा भेजना आवश्यक है अन्यथा अस्वीकृत रचनाएं लौटाई नहीं जाएंगी. प्रेषित रचनाओं की सुरक्षा/वापसी के लिए कार्यालय का कोई उत्तरदायित्व नहीं है.
दिल्ली प्रैस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड की आज्ञा बिना कोई रचना किसी प्रकार उद्धृत नहीं की जानी चाहिए.
'चीकू' शीर्षक भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड है.

वार्षिक मूल्य केवल क्रेडिट कार्ड/चैक/ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा ही 'चंपक' के नाम से ई-8, झंडेवाला एस्टेट,
नई दिल्ली-110055 को ही भेजें. वी.पी.पी. नहीं. एक प्रति रु. 30.00 (बिना सोडी के),
वार्षिक रु. 576, दो वर्ष रु. 1050. (भारत में)

ग्राहक बनने और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी संपर्क करें :
दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055
फोन: 91-11-41398888, एक्स. नं. 119, 221, 264.
मोबाइल/एसएमएस/व्हाट्सऐप: 08588843408
ईमेल: subscription @ delhipress.in

दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
बी-3, वडाला उद्योग भवन, नैगांव क्रौस रोड, वडाला मुंबई-400031. फोन : 91-22-24122661, 43473050.

● रचनाओं व स्तंभों के लिए ईमेल: article.hindi @ delhipress.in
● निमंत्रणों व प्रेस सूचनाओं के लिए ईमेल: invites.pressrelease @ delhipress.biz
● संपादक को पत्रों के लिए ईमेल: editor @ delhipress. biz
● ग्राहक विभाग के लिए ईमेल: subscription @ delhipress.in

अपनी कहानी, कविता, ड्राइंग्स तथा क्राफ्ट्स यहां भी भेज सकते हैं :
writetochampak@delhipress.in या एसएमएस करें : 09619587613
www. facebook.com/ChampakMagazine और https://www.youtube.com/ user/ ChampakSciQ

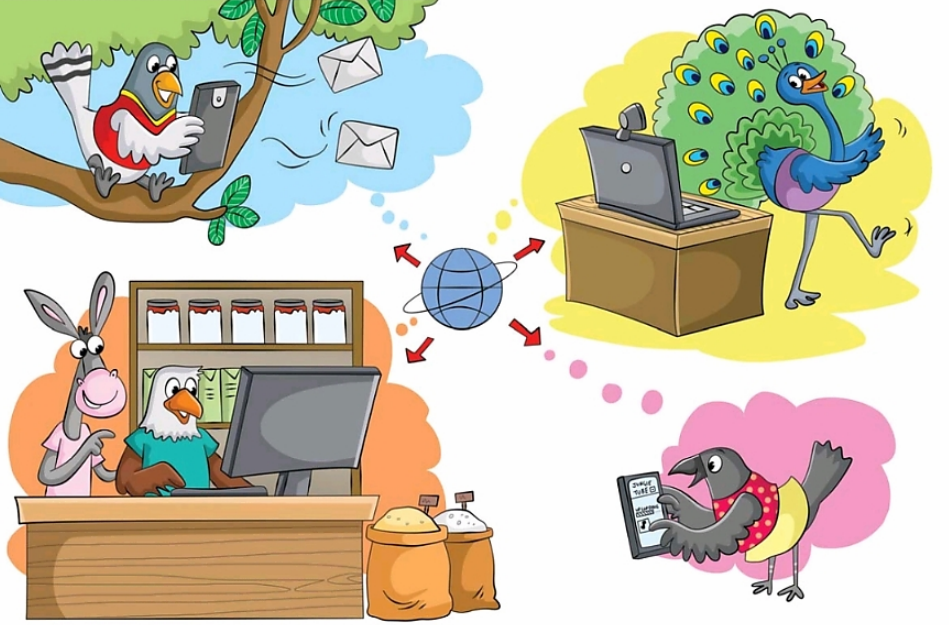

हाथी और कंप्यूटर शिक्षा

कहानी ● संजीव जायसवाल 'संजय'

महाराज शेरा सिंह को कुछ दिन पहले ही जंगल के राजा का ताज पहनाया गया था. उन के पापा ने उन्हें फेमस शिक्षा संस्थानों से शिक्षा दिलवाई थी.

महाराज शेर सिंह के शासनकाल में राजकाज बहुत अच्छा चल रहा था, लेकिन वर्तमान राजा शेरा सिंह अच्छी तरह जानते थे कि अगर जंगल का विकास करना है तो नई टैक्नोलौजी अपनानी पड़ेगी. इसलिए उन्होंने जंगल में कंप्यूटर सिखाने के कई इंस्टिट्यूट खुलवा दिए. ज्यादातर जानवरों ने अपने बच्चों को कंप्यूटर की पढ़ाई करवानी शुरू कर दी.

शेरा सिंह ने भी जंगल में इंटरनैट की घोषणा की, इस से सभी को बड़ी सुविधा हुई. सब से ज्यादा खुशी तो डिंकी कबूतर को हुई, क्योंकि पहले उसे चिट्ठियां ले कर दूरदूर तक जाना पड़ता था. उन्हें बांटतेबांटते वह थक जाता था. अब सभी लोग एकदूसरे को ईमेल करने लगे जिस से सभी को पलक झपकते ही सूचनाएं मिल जाती थीं.

इंटरनैट से जंगल के कई अन्य जानवरों का काम बहुत आसान हो गया था. मिनी मोरनी ने अपने डांस और कोकी कोयल ने अपने गानों के वीडियो 'जंगलट्यूब' पर अपलोड करवा दिए. जंगली जानवर अब घर बैठ कर उन के डांस और गानों का मजा लेने लगे. दोनों को एक ही दिन में हजारों लाइक्स मिलने लगे थे. इस से वे दोनों भी बहुत खुश थे.

डमरू गधे ने तो अपने जनरल स्टोर पर जैकी बाज, रैंचो चील और उन के कई दोस्तों को नौकरी पर रख

लिया. वे सभी जानवरों से औनलाइन और्डर लेते. जैकी बाज, रैंचो चील और उन के साथी ड्रोन की तरह उड़ते हुए सामान के पैकेट सभी के घरों में पहुंचा आते.

जंबो हाथी बहुत आलसी था. वह सभी काम बहुत देर से करता था. उस के दोस्तों ने उसे कई बार समझाया कि अपने बेटे मिनी को कंप्यूटर की ट्रेनिंग लेने भेज दें, लेकिन वह टालता रहता. उसे इंस्टिट्यूट जा कर बेटे का एडमिशन करवाना बहुत कठिन काम लगता था.

धीरेधीरे जंगल के सभी जानवर अपना काम कंप्यूटर पर खुद ही करने लगे. केवल मिनी ही कंप्यूटर के बारे में कुछ नहीं जानता था. इसलिए उस के सारे दोस्त उस का मजाक उड़ाते थे. एक दिन मिनी ने कंप्यूटर सीखने की जिद पकड़ ली. जंबो ने उसे टालने की बहुत कोशिश की, लेकिन मिनी ने खानापीना छोड़ दिया. मजबूरन जंबो ने अपने दोस्त पिंटू लंगूर से चीकू खरगोश के कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में एडमिशन का औनलाइन फार्म भरवा दिया. उसी दिन इंस्टिट्यूट से मिनी का एडमिशन कार्ड आ गया.

अगले दिन मिनी तैयार हो कर अपने पापा जंबो के साथ चीकू के कंप्यूटर इंस्टिट्यूट पहुंच गया. चीकू ने उन्हें देख कर पूछा, ''कहिए क्या काम है?''

''जी, मेरा नाम मिनी है. कल मेरा आप के कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में एडमिशन हुआ है. इसलिए आज मैं पढ़ने आया हूं,'' मिनी ने बताया.

चीकू ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और बोला, ''तुम इतने लंबेचौड़े हो, तुम मिनी कैसे हो सकते हो?''

''जी, इस का नाम मिनी है. यह मेरा सब से छोटा बेटा है, इसलिए मैं ने इस का नाम मिनी रखा है,'' जंबो ने हंसते हुए बताया.

''वह तो ठीक है, लेकिन यह मेरे कंप्यूटर इंस्टिट्यूट में नहीं पढ़ सकता,'' चीकू ने सख्ती से कहा.

''यह इतना लंबाचौड़ा है और मेरे इंस्टिट्यूट के कंप्यूटर छोटेछोटे है. यह उन्हें छू भी लेगा तो वे टूट जाएंगे,'' चीकू ने अपनी मजबूरी बताई.

''यह बात तो आप को एडमिशन देने से पहले सोचनी चाहिए थी,'' जंबो ने गुस्सा होते हुए कहा.

''माफ कीजिएगा, यदि मुझे मालूम होता कि मिनी नाम हाथी का है, तो मैं कभी एडमिशन न देता, क्योंकि मेरे इंस्टिट्यूट में इतने बड़े बच्चों के लायक कंप्यूटर नहीं हैं,'' चीकू ने मजबूरी जताई.

यह सुन मिनी ने पूछा, ''सर, क्या कोई दूसरे कंप्यूटर इंस्टिट्यूट वाले मुझे पढ़ा देगें?''

''बेटा, तुम्हें बुरा तो जरूर लगेगा, लेकिन मैं सच बताता हूं कि तुम्हें कंप्यूटर पढ़ाने के लिए कोई भी

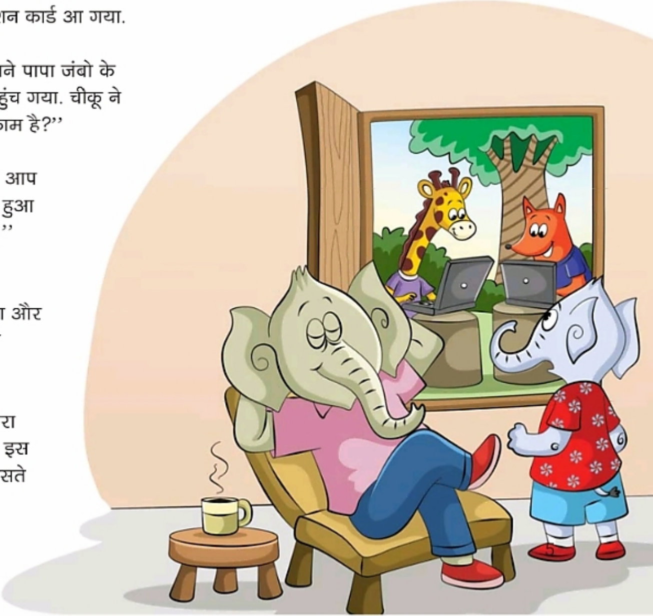

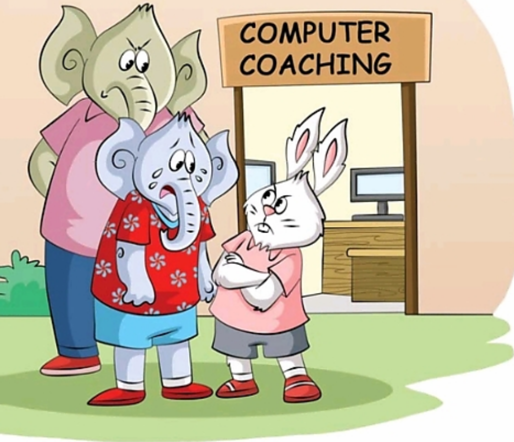

इंस्टिट्यूट एडमिशन नहीं देगा,'' चीकू ने गंभीर स्वर में समझाया.

यह सुन मिनी रोने लगा. उस के सारे दोस्त कंप्यूटर की पढ़ाई कर काफी आगे निकल गए थे. यदि उस का कहीं एडमिशन नहीं हुआ तो वह काफी पिछड़ जाएगा.

मिनी के आंसू देख कर जंबो का गुस्सा भड़क उठा. वह चीकू पर चिल्लाते हुए बोला, ''मैं पहले ही तुम्हारे इंस्टिट्यूट की फीस भर चुका हूं. तुम्हें मेरे बेटे को पढ़ाना होगा वरना मैं यह इंस्टिट्यूट तोड़ डालूंगा.''

जंबो का गुस्सा देख चीकू डर गया. उस ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन जंबो कुछ भी सुनने को तैयार नहीं था.

कोई और उपाय न देख चीकू को जंबो के आगे झुकना पड़ा. उस ने मिनी से कहा, ''बेटा, मैं तुम्हें पढ़ा तो दूंगा, लेकिन तुम्हें मेरी एक छोटी सी बात माननी पड़ेगी.''

''जी सर, आप बोलिए,'' मिनी ने सम्मानपूर्वक कहा.

''तुम कंप्यूटर को बहुत धीरे से छूना वरना वह टूट जाएगा,'' चीकू ने समझाया.

''आप निश्चिंत रहें सर, मैं उसे बहुत धीरे से ही छुऊंगा,'' मिनी ने वादा किया.

फिर चीकू उसे एक कक्षा में ले गया. वहां कई बच्चे अलगअलग कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम कर रहे थे. चीकू ने मिनी को एक कंप्यूटर के सामने बैठा कर, उसे कंप्यूटर औन करने का तरीका समझाया. फिर उसे शटडाउन कर के उसे लौगइन करने के लिए कहा.

मिनी ने अपना हाथ बड़े आराम से कंप्यूटर कीबोर्ड पर रखा. लेकिन जिस का चीकू को डर था वही हुआ. मिनी का भारीभरकम हाथ लगते ही कीबोर्ड के टुकड़ेटुकड़े हो गए.

''माफ कीजिएगा सर, गलती हो गई. दूसरा कंप्यूटर मैं धीरे से छुऊंगा,'' मिनी ने कान पकड़ते हुए माफी मांगी.

चीकू को गुस्सा तो बहुत आया लेकिन वह कुछ कह न सका. वह मिनी को दूसरे कंप्यूटर के सामने ले गया. मिनी ने उसे बहुत धीरे से छुआ लेकिन उस का भी अंजाम वही हुआ जो पहले कीबोर्ड का हुआ था.

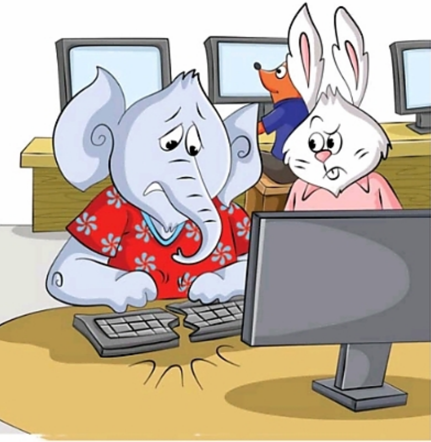

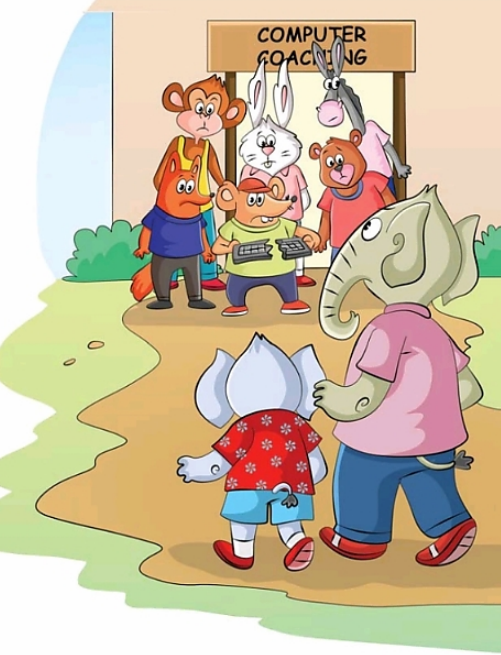

चीकू समझ गया कि इस तरह तो एकएक कर उस के सारे कंप्यूटर कीबोर्ड टूट जाएंगे. उस ने मिनी से कहा, ''बेटा, तुम्हें पढ़ा पाना मेरे बस की बात नहीं है. तुम अब अपने घर जाओ.''

यह सुन मिनी रोते हुए घर लौट आया. जंबो को जब पता चला कि चीकू ने उसे इंस्टिट्यूट से निकाल दिया है तो वह गुस्से से आगबबूला हो इंस्टिट्यूट जा पहुंचा. वह चीकू को सबक सिखाना चाहता था, लेकिन इंस्टिट्यूट के सारे बच्चे चीकू को घेर कर खड़े हो गए. उन का कहना था कि अगर मिनी यहां पढ़ा तो एकएक कर सारे कंप्यूटर कीबोर्ड टूट जाएंगे फिर उन की पढ़ाई भी चौपट हो जाएगी.

उधर जंबो भी जिद पर अड़ा था कि उस का बेटा कंप्यूटर की ट्रेनिंग जरूर लेगा. धीरेधीरे वहां जानवरों की काफी भीड़ जमा हो गई. इस बात की खबर जब महाराज शेरा सिंह को लगी तो उन्होंने जंबो, मिनी और चीकू को अपने दरबार में आने का आदेश दे दिया.

पूरी बात सुनने के बाद महाराज ने जंबो से कहा, ''आप के बेटे के हाथ इतने भारीभरकम हैं कि वह जिस कंप्यूटर के कीबोर्ड को छुएगा वही टूट जाएगा.''

मिनी बहुत समझदार था. वह जानता था कि जंबो गुस्से में कुछ उलटासीधा बोल सकता है, जिस से बात और बिगड़ सकती है. इसलिए वह उन के कहने से पहले ही बोला, ''यह मैं भी पढ़लिख कर आगे बढ़ना चाहता हूं. अगर प्रकृति ने मेरे हाथ भारीभरकम बनाए हैं तो इस में मेरी क्या गलती है? मेरे शरीर के कारण मुझे शिक्षा न देना क्या मेरे साथ न्याय होगा?''

यह सुन महाराज शेरा सिंह सोच में पड़ गए. चीकू की बात बिलकुल सही थी. शिक्षा पाना सभी का अधिकार है. कदकाठी के कारण किसी को उस से दूर करना अन्याय होगा. लेकिन चीकू की समस्या भी अपनी जगह सही थी. अगर एकएक कर के उस के सारे कंप्यूटर ही टूट जाएंगे तो पढ़ाई कैसे होगी.

काफी सोचविचार के बाद उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा, ''मिनी को शिक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन चीकू की समस्या भी अपनी जगह सही है? क्या आप लोगों के पास इस समस्या का कोई हल है.''

सारे मंत्री अपनाअपना दिमाग दौड़ाने लगे, लेकिन किसी को कोई उपाय नहीं सूझ रहा था. तभी किसी काम से महाराज शेरा सिंह का बेटा राजकुमार सिंह दरबार में आया. पूरी बात सुन कर वह हंस पड़ा, ''यह तो कोई समस्या ही नहीं है. यह तो बहुत आसान काम है.''

''वह कैसे?'' शेरा सिंह ने पूछा.

''देखिए, कंप्यूटर कीबोर्ड तो केवल कमांड देने, टाइपिंग या डेटा इंट्री करने के लिए इस्तेमाल होता

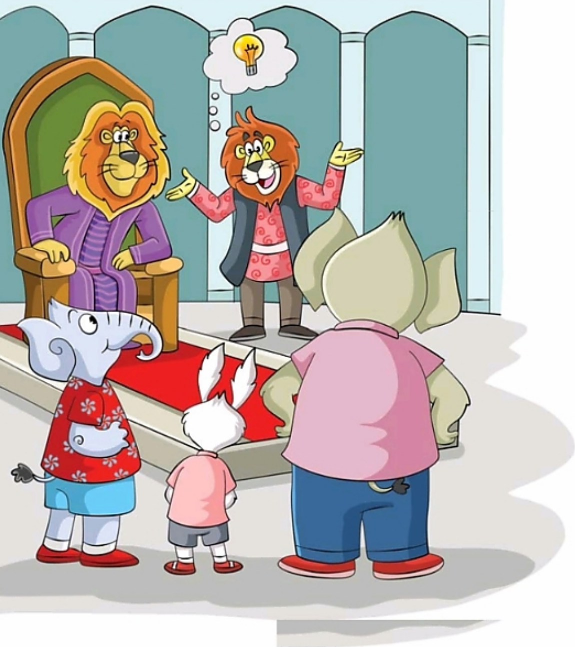

है. वह मुख्य कंप्यूटर से बिलकुल अलग होता है. आप मिनी के लिए एक बड़ा सा कीबोर्ड बनवा दीजिए. उस पर वह आराम से अपना काम कर लेगा और कंप्यूटर को कोई नुकसान भी नहीं होगा,'' राजकुमार सिंह ने समझाया.

''अरे वाह, यह तो बहुत आसान है. पता नहीं यह बात हम लोगों की समझ में क्यों नहीं आई,'' महाराज शेरा सिंह भी हंस पड़े.

''महाराज, अगर यह बात हम लोगों की समझ आ जाती तो हमें युवराज की योग्यता के बारे में पता कैसे चल पाता?'' प्रधानमंत्री भालू दादा खुश होते हुए बोले.

उन की बात सुन सारे मंत्री राजकुमार सिंह की प्रशंसा करने लगे. राजकुमार सिंह ने सभी को धन्यवाद दिया और बोले,'' पापा, इसी तरह कुछ छोटेछोटे कीबोर्ड भी बनवा दीजिए. इस से नन्हे पक्षियों और छोटे जानवरों के बच्चों को कंप्यूटर चलाने में काफी आसानी हो जाएगी.''

शेरा सिंह को यह सुझाव बहुत पसंद आया. उन्होंने उसी दिन अपने इंजीनियरों को हर इंस्टिट्यूट के लिए कुछ बड़े और कुछ छोटे कीबोर्ड बनाने के लिए कह दिया. चूंकि यह काम मिनी की वजह से हुआ था इसलिए उन्होंने उस की फीस सरकारी खजाने से भरने का आदेश भी दे दिया.

कुछ ही दिनों में बड़ा सा कीबोर्ड तैयार हो गया. मिनी अब बहुत आराम से दोनों हाथों से उस पर फटाफट काम करने लगा. इसी के साथ कुछ छोटे कीबोर्ड भी आ गए थे. इस से छोटे जानवरों और पक्षियों के बच्चों को भी बहुत आसानी हो गई थी. इस के लिए वे युवराज राजकुमारे सिंह और मिनी की तारीफ करते नहीं थकते थे. ●

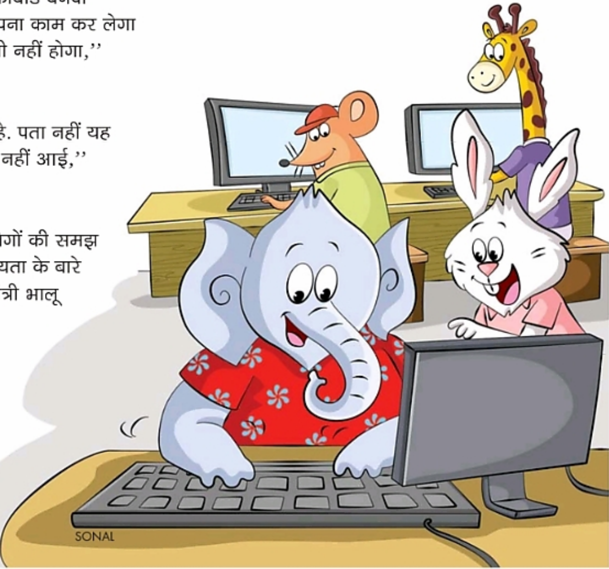

सुंदर रंग भरो

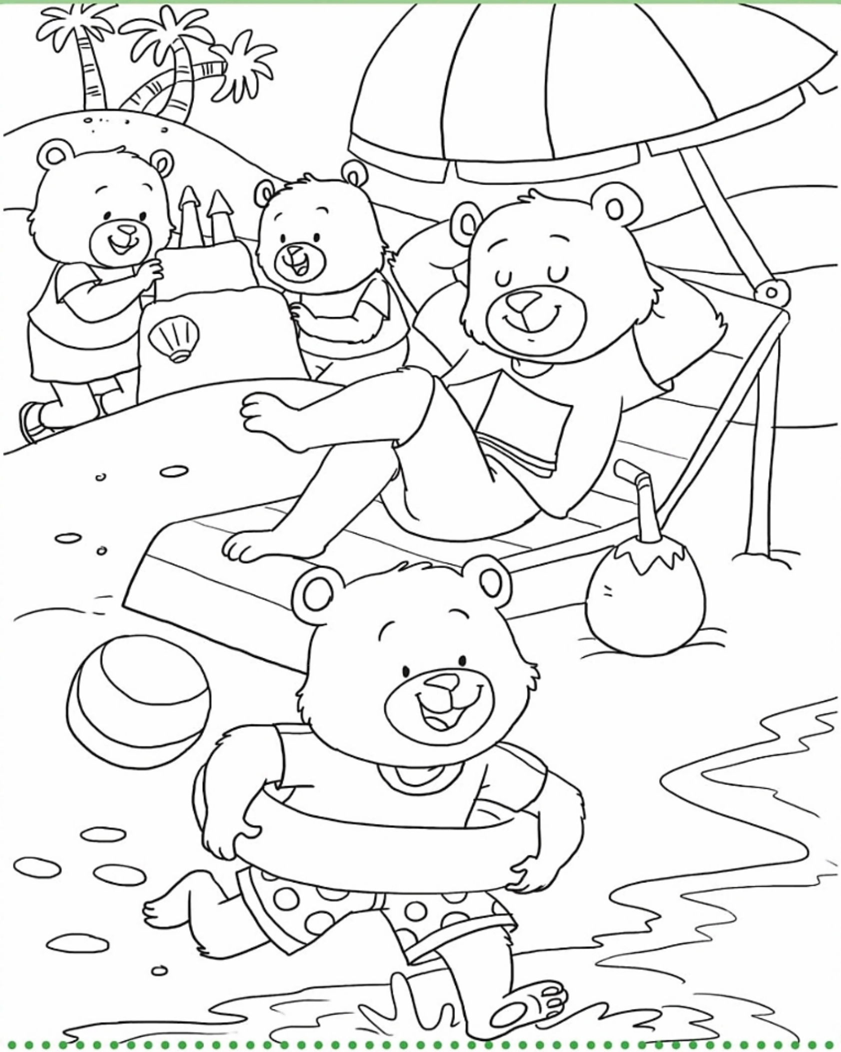

याददाश्त बढ़ाएं

नीचे चित्र को देखें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

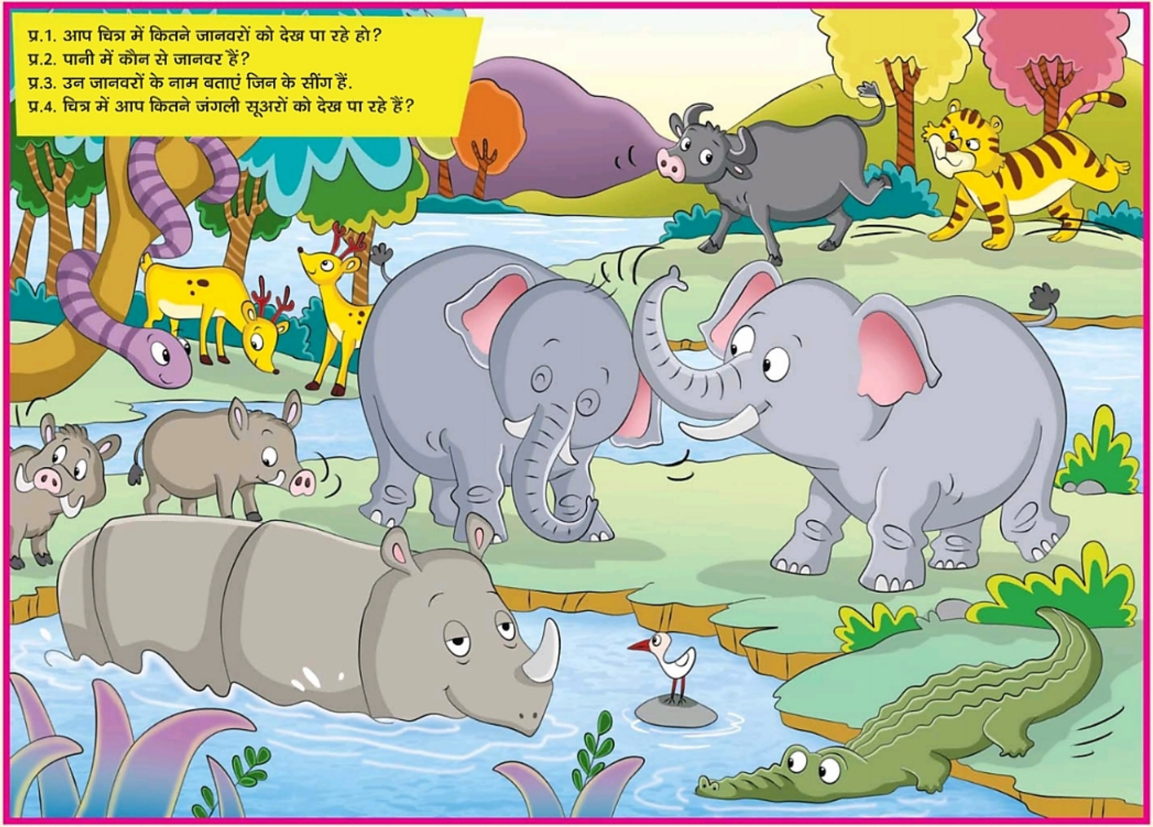

प्र.1. आप चित्र में कितने जानवरों को देख पा रहे हो?
प्र.2. पानी में कौन से जानवर हैं?
प्र.3. उन जानवरों के नाम बताएं जिन के सींग हैं.
प्र.4. चित्र में आप कितने जंगली सूअरों को देख पा रहे हैं?

कार मुक्त दिवस

23 सितंबर को विश्व कार मुक्त दिवस मनाया जाता है. बच्चे बस से स्कूल जा रहे हैं. एक बस में सिर्फ 40 छात्र जा सकते हैं. क्या आप प्रिंसिपल की मदद करेंगे यह पता करने में कि हर रूट पर उन्हें कितनी बसें चलाने की जरूरत पड़ेगी?

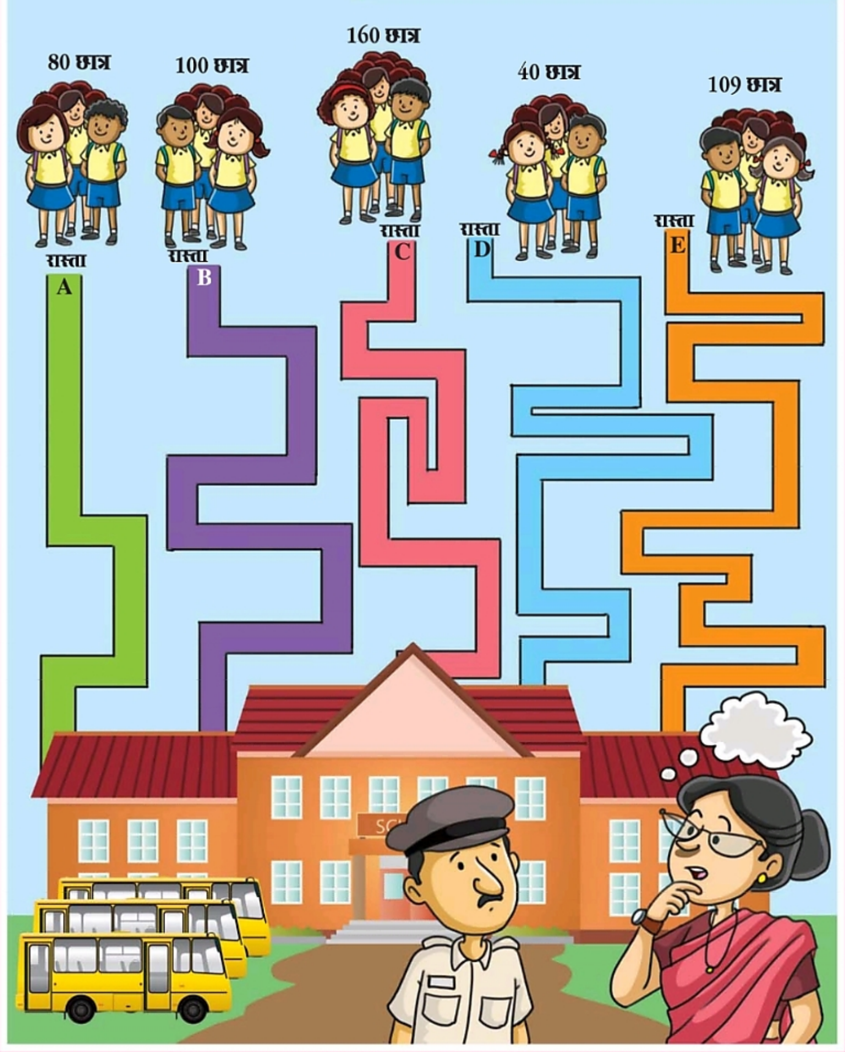
80 छात्र
100 छात्र
160 छात्र
40 छात्र
109 छात्र
रास्ता A
रास्ता B
रास्ता C
रास्ता D
रास्ता E
SC

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

देखो हंस न देना

हाहाहा हाहाहा हीहीही हीहीही

सीटू (बिट्टू से) : आदमी स्टैच्यू कब बन जाता है?
बिट्टू : जब वह सो जाता है.

देबमाल्या दास, 8 वर्ष
खड़गपुर

बच्चा (मम्मी से) : मम्मी, क्या मुझे 200 रुपए उधार मिल सकते हैं?
मम्मी : नहीं, क्या तुम सोचते हो कि रुपए पेड़ पर उगते हैं?
बच्चा : रुपए किस चीज से बनते हैं?
मम्मी : पेपर से.
बच्चा : और पेपर किस चीज से बनता है?
यह सुन कर मम्मी कमरे से बाहर चली गईं.

अथर्व त्रिपाठी, 10 वर्ष, नई दिल्ली

बोबो (जोजो से) : जोजो, तुम क्या कर रहे हो?
जोजो : मैं आम के पेड़ पर चढ़ रहा हूं.
बोबो : क्यों चढ़ रहे हो?
जोजो : केला खाने के लिए.
बोबो : आम के पेड़ से तुम केला कैसे खा सकते हो?
जोजो : क्यों नहीं खा सकता? मेरी पौकेट में केला है.

आराध्या पाठक, 7 वर्ष, मुंबई

मीशू (किट्टू से) : तुम फूल पौधे में पानी दिए बिना कैसे उगाओगे?
किट्टू : मैग्निफाइंग ग्लास से फूल को देखते हुए उगाएंगे.

अलंकृता बैलेकर, 8 वर्ष, मुंबई

हर्ष (मोहित से) : ऐसा क्या है, जो कार के साथ आता है, कार के साथ जाता है, यह कार के लिए उपयोगी नहीं है, लेकिन कार इस के बिना चल नहीं सकती है?
मोहित : कार के इंजन की आवाज.

पृथा चौधरी, 10 वर्ष, कोलकाता

आशू (चीकू से) : हम अंगरेजी में किसी उत्तर को लिख कर अंत में ईटीसी क्यों लिखते हैं?
चीकू : क्योंकि हम ज्यादा पानी खो देते हैं.
आशू : नहीं, क्योंकि इस का मतलब होता है, 'ऐंड औफ थिंकिंग कैपेसिटी.'

शौर्यमान पांडे, 14 वर्ष, उत्तर प्रदेश

जौन (जैक से) : चलो, कोरोना वायरस को हम कहीं छिपा देते हैं.
जैक : ऐसा क्यों?
जौन : क्योंकि यह हमारे लिए फायदेमंद रहेगा, जब हम अगले ऐग्जाम को कैंसिल करा देना चाहेंगे.

कुश व्यास, 8 वर्ष
गुजरात

किशोर (कुणाल से) : एक ऐलिगेटर यानी मगरमच्छ का पसंदीदा खेल कौन सा है?
कुणाल : अचानक झपट्टा मारना.

अथर्व पुजारी, 6 वर्ष
बैंगलुरु

टीचर (रोहन से) : तुम्हारी डेट औफ बर्थ क्या है?
रोहन : 13 अक्तूबर.
टीचर : कौन सा वर्ष?
रोहन : यह हर वर्ष आता है.

विश्रुत माहेश्वरी, 14 वर्ष
अलीगढ़

कोमल (किरण से) : मीटर सैंटीमीटर से ईर्ष्या क्यों करता था?
किरण : क्योंकि इस के पास सैंट (खुशबू) नहीं थी और वह ज्यादा खुशबू सूंघ नहीं पाता था.

आशका चौधरी, 10 वर्ष
अहमदाबाद

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:
चंपक, दिल्ली प्रेस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई - 400031
ईमेल : **writetochampak@delhipress.in**
और **SMS: 8657402248**
औनलाइन विजिट करें :
www.facebook.com/ChampakMagazine
https://www.youtube.com/ChampakSciQ

डमरू और प्रोफैसर रौबिन

कहानी ● शिवेश श्रीवास्तव

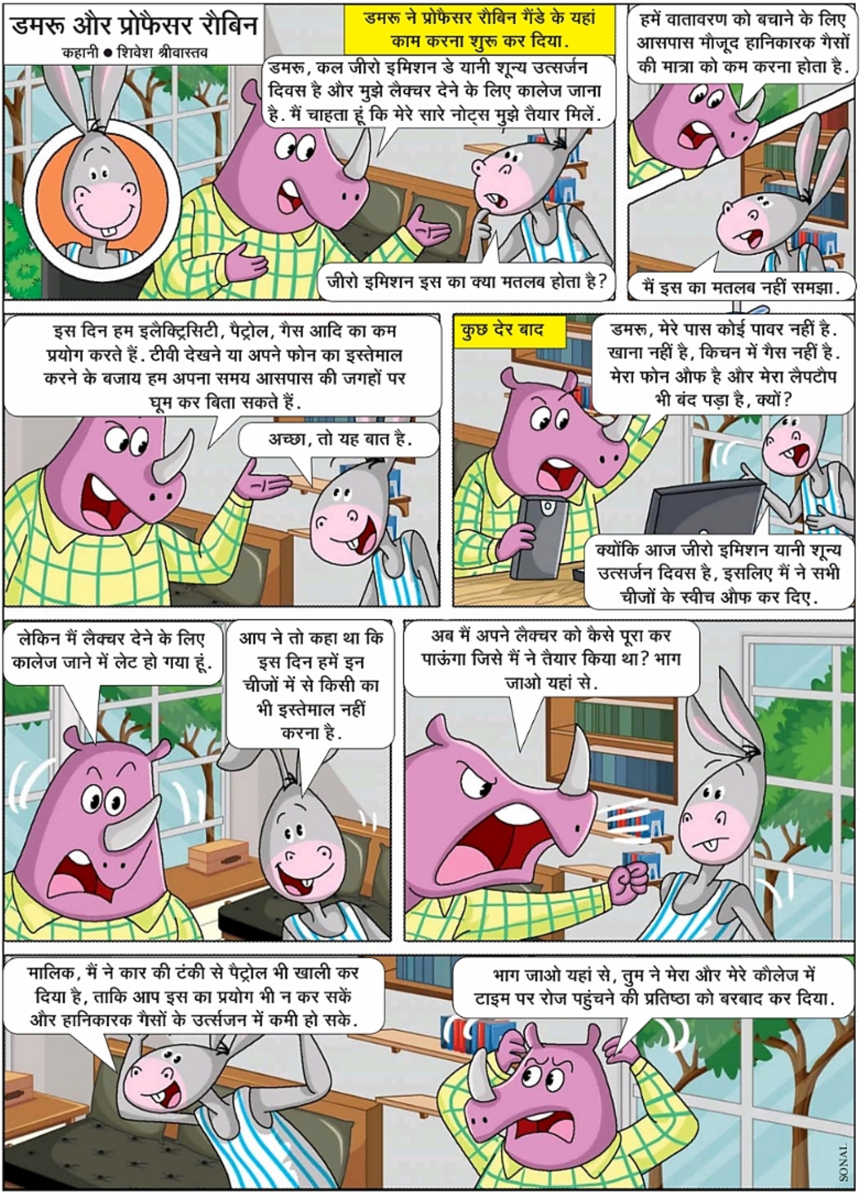
डमरू ने प्रोफैसर रौबिन गैंडे के यहां काम करना शुरू कर दिया.
डमरू, कल जीरो इमिशन डे यानी शून्य उत्सर्जन दिवस है और मुझे लैक्चर देने के लिए कालेज जाना है. मैं चाहता हूं कि मेरे सारे नोट्स मुझे तैयार मिलें.
जीरो इमिशन इस का क्या मतलब होता है?
हमें वातावरण को बचाने के लिए आसपास मौजूद हानिकारक गैसों की मात्रा को कम करना होता है.
मैं इस का मतलब नहीं समझा.
इस दिन हम इलैक्ट्रिसिटी, पैट्रोल, गैस आदि का कम प्रयोग करते हैं. टीवी देखने या अपने फोन का इस्तेमाल करने के बजाय हम अपना समय आसपास की जगहों पर घूम कर बिता सकते हैं.
अच्छा, तो यह बात है.
कुछ देर बाद
डमरू, मेरे पास कोई पावर नहीं है. खाना नहीं है, किचन में गैस नहीं है. मेरा फोन औफ है और मेरा लैपटौप भी बंद पड़ा है, क्यों?
क्योंकि आज जीरो इमिशन यानी शून्य उत्सर्जन दिवस है, इसलिए मैं ने सभी चीजों के स्वीच औफ कर दिए.
लेकिन मैं लैक्चर देने के लिए कालेज जाने में लेट हो गया हूं.
आप ने तो कहा था कि इस दिन हमें इन चीजों में से किसी का भी इस्तेमाल नहीं करना है.
अब मैं अपने लैक्चर को कैसे पूरा कर पाऊंगा जिसे मैं ने तैयार किया था? भाग जाओ यहां से.
मालिक, मैं ने कार की टंकी से पैट्रोल भी खाली कर दिया है, ताकि आप इस का प्रयोग भी न कर सकें और हानिकारक गैसों के उर्त्सजन में कमी हो सके.
भाग जाओ यहां से, तुम ने मेरा और मेरे कौलेज में टाइम पर रोज पहुंचने की प्रतिष्ठा को बरबाद कर दिया.
SONAL

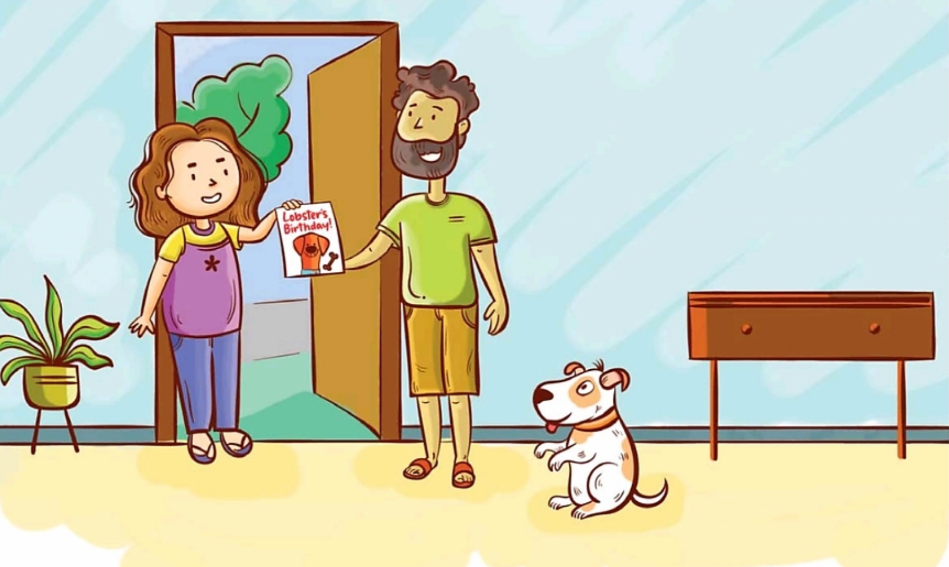
Lobster's Birthday!

जन्मदिन की पार्टी

कहानी ● डा.के. रानी

शाम को रोजी और रौबर्ट ड्राइंगरूम में बैठ कर टीवी देख रहे थे. तभी डोर बैल बजी और घर की आया नैंसी ने एक कार्ड ला कर रौबर्ट को थमा दिया.

''यह किस का कार्ड है?'' रोजी ने पूछा.

''सैम्युअल के घर से आया है. अभी पढ़ कर बताता हूं.''

''कार्ड तो बहुत सुंदर दिख रहा है.''

''उस का तो हमेशा अंदाज ही अलग रहता है,'' रौबर्ट बोला और फिर उस ने कार्ड खोल कर पढ़ना शुरू किया. उस में लिखा था : 'कल हमारे प्यारे डौगी लौबस्टर का जन्मदिन है. इस अवसर पर आप का डौगी रौक्सी आमंत्रित है. कृपया डौगी के साथ उस का खाने का बाउल भी साथ लाएं,'' रोजी यह सुन कर चौंक गई.

''अच्छा, इस बार सैम्युअल अपने डौगी लौबस्टर का बर्थडे मना रहा है.''

''कार्ड में तो यही लिखा है.''

पास ही उन का अपना प्यारा डौगी रौक्सी बैठा था. बर्थडे पार्टी के बारे में सुनते ही वह खुशी से झूम उठा. आज से पहले कभी किसी ने उसे बर्थडे पार्टी में नहीं बुलाया था. यहां तक कि जब घर पर विक्टर बाबा के जन्मदिन की पार्टी होती थी तब भी उसे घर के पीछे की तरफ बांध दिया जाता था. उस का कितना मन करता था कि वह भी जन्मदिन की पार्टी में शामिल हो.

रौक्सी खुशी से उछल रहा था. वह ध्यान से दोनों की बातें सुनने लगा.

''ताज्जुब की बात है कि अब लोग अपने डौगी का

भी बर्थडे मनाने लगे हैं और उस के लिए कार्ड भी छपवा रहे हैं,'' रोजी बोली.

''यह तो अपनी खुशी प्रकट करने का तरीका है. वे अपने डौगी से बहुत प्यार करते हैं और उसे परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं. तभी तो इतनी धूमधाम से उस का बर्थडे मना रहे हैं.''

''यहां तक तो बात ठीक थी, लेकिन अपने डौगी के बर्थडे में महल्ले भर के डौगी बुलाना यह बात कुछ अजीब लग रही है.''

''इस में बुराई क्या है? जैसे हमारे दोस्त हैं, ऐसे ही लौबस्टर के कालोनी के डौगी दोस्त हैं. इस मौके पर वे सब साथ मिल कर उस का बर्थडे मना लेंगे,'' रौबर्ट बोला.

रोजी चुप हो गई. रौक्सी को रोजी की बात जरा भी पसंद नहीं आई कि क्या डौगी इंसान की तरह बर्थडे पार्टी में शामिल नहीं हो सकते?

रौक्सी बर्थडे पार्टी में जाने के खयाल में खो गया. उसे समझ नहीं आ रहा था कि रोजी मैडम उसे कैसे तैयार करेंगी? यह पहला मौका था. जब वह किसी बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रहा था.

''रौक्सी को कल सुबह पैट पार्लर ले जाना. वे उसे अच्छे से नहलाधुला कर तैयार कर देंगे. हमारा डौगी उन सब के बीच सब से स्मार्ट दिखाई देना चाहिए. हमारा रौक्सी बहुत प्यारा है,'' रोजी उस के सिर पर हाथ फेरते हुए बोली.

रौक्सी ने जीभ निकाल कर रोजी का हाथ चाटा.

वह खुश था कि कल पार्लर जाएगा. रात भर रौक्सी जाग कर पहरा देता रहा. उसे सुबह होने का इंतजार था, जब नैंसी उसे पार्लर ले जाएगी. 10 बजे के लगभग रौक्सी उस के साथ पैट पार्लर पहुंच गई. पार्लर में उन्होंने रौक्सी को नहला कर उस के नाखूनों की भी अच्छे से सफाई कर दी थी.

पार्लर से बाहर आ कर रौक्सी खुद को बहुत स्मार्ट महसूस कर रहा था. उस ने दिन में थोड़ा सा खाना खाया और अधिकांश समय बरामदे में ही बैठा रहा, जिस से पार्टी में जाने के लिए उस के बाल और पैर खराब न हों. वह पार्टी में जाने के लिए बेचैन था. शाम को रोजी ने उस के बाल अच्छे से संवारे और उस के गले में एक प्यारा सा काले रंग का बो बांध दिया. रौक्सी बहुत सुंदर लग रहा था.

रोजी ने उस का पट्टा नैंसी को थमाया और बोली, ''आज सैम्युअल के घर पर लौबस्टर की बर्थडे पार्टी है. रौक्सी को भी वहां जाना है. तुम ठीक 5 बजे उन के घर पहुंच जाना.''

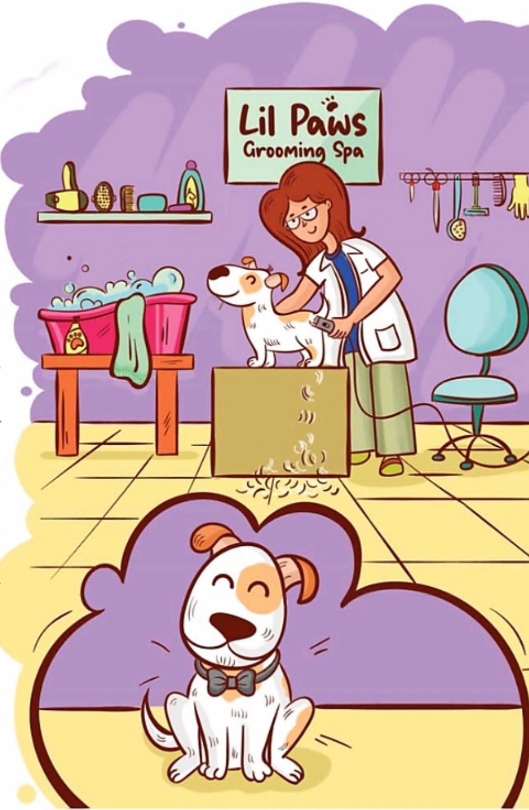

रोजी ने उसे एक प्यारा सा गिफ्ट दिया, जिस में लौबस्टर के लिए गले का पट्टा था. उसे नैंसी को थमा दिया और बोली, ''रौक्सी की ओर से यह गिफ्ट लौबस्टर को दे देना.''

सुंदर नीले रंग के चमकीले पैकेट को देख कर रौक्सी का मन खुशी से भर गया. ठीक समय पर वह लौबस्टर के घर पहुंच गया. बर्थडे के लिए हौल को अच्छी तरह सजाया गया था. वहां पर ढेर सारे गुब्बारे भी लगे हुए थे. डौगी के खड़े होने के लिए बढ़िया कारपेट बिछाए हुए थे. कालोनी के 12 डौगी इस बर्थडे पार्टी में शामिल होने वाले थे. रौक्सी उन सब को अच्छे से पहचानता था. सुबह अपने मालिक रौबर्ट के साथ सड़क पर घूमते हुए अकसर उस की उन से मुलाकात हो जाती थी.

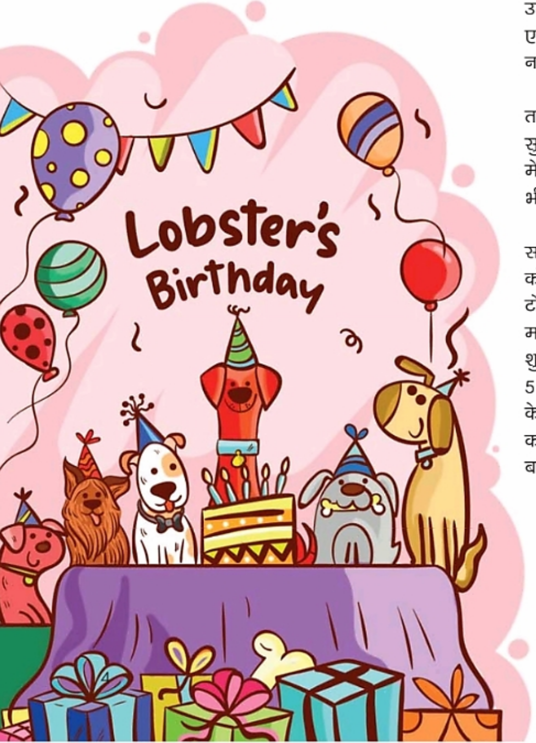

रौक्सी को उन में सब से ज्यादा लीजा पसंद थी. वह उस से बात करने की कोशिश करती, लेकिन उस के मालिक विक्रम उसे कभी मौका ही नहीं देते थे. बस, आतेजाते वे एकदूसरे को देख लेते थे. रौक्सी पार्टी में भी उसे ढूंढ़ रहा था, लेकिन अभी तक वह पहुंची नहीं थी. रौक्सी ने अपने लिए किनारे पर जगह बनाई और वहीं पर नैंसी के साथ खड़ा हो गया था. उस ने हौल में चारों ओर नजर डाली.

मेज पर एक बड़ा सा केक रखा था. केक देख कर रौक्सी के मुंह में पानी आ गया.

कुछ ही देर में कमरा मेहमान डौगियों और उन के साथ आए केयरटेकर से भर गया. लीजा आ कर रौक्सी की बगल में खड़ी हो गई थी. आज वह भी बहुत सुंदर लग रही थी, उस के लंबे भूरे बाल उस के चेहरे को और भी सुंदर बना रहे थे. एकदूसरे का साथ पा कर उन की खुशी का ठिकाना न था.

तभी हौल में लौबस्टर आ गया. उस ने सिर पर सुनहरे रंग की झालर वाली टोपी पहन रखी थी. गले में बंधे लाल रंग के बो ने उस की खूबसूरती को और भी बढ़ा दिया था.

सभी मेहमान डौगियों को भी टोपियां दी गईं. लीजा को लाल और रौक्सी के हिस्से नीली टोपी आई. टोपी पहन कर सारे डौगी अपने आप को बहुत स्मार्ट महसूस कर रहे थे. ठीक आधे घंटे बाद बर्थडे पार्टी शुरू हुई. केक पर 5 कैंडल्स लगी थीं. आज लौबस्टर 5 साल का हो गया था. सैम्युअल ने चाकू लौबस्टर के पंजे से छुआ कर 4 कैंडल्स बुझाईं और केक काटा. इस के साथ ही 'हैप्पी बर्थडे टू यू' का गाना बजने लगा.

साथ आए सभी केयरटेकर ने ताली बजा कर गाना गाया. लौबस्टर ने अपने पिछले पंजों पर खड़े हो कर अपने आगे के दोनों पंजे मोड़ कर सब का धन्यवाद किया. उस की देखादेखी मेहमान डौगियों ने भी वैसा ही किया.

सैम्युअल ने केक का बड़ा सा टुकड़ा लौबस्टर को खिलाया. इस के बाद मैरी ने सभी मेहमान डौगियों को एकएक केक का टुकड़ा उन के कटोरों में रख दिया. केक खा कर सभी ने खूब मस्ती की. यह पहला मौका था जब रौक्सी को इतना बड़ा केक का टुकड़ा खाने को मिला.

नैंसी ने लौबस्टर के लिए लाए गिफ्ट का पैकेट सैम्युअल को दिया. सैम्युअल गिफ्ट लौबस्टर के पंजों से छुआ कर एक तरफ रखते जा रहे थे. कुछ ही देर बाद खाने की बारी आई. मेहमानों के लिए सैंडविच और रोस्टेड चिकन मंगाए गए थे. उस के बड़ेबड़े टुकड़े कर के सब को परोसे गए. साथ में उन्हें बटर मिल्क यानी छाछ भी परोसे गई. सब ने बड़े खुश हो कर खाना खाया. आज तक सब को ज्यादातर हड्डी खाने को ही मिलती थी, लेकिन आज उन्हें पूरा भुना हुआ चिकन खाने को दिया गया. रौक्सी ने आज तक कभी ऐसी पार्टी का आनंद नहीं लिया था.

एक घंटे तक पार्टी चलती रही. रिटर्न गिफ्ट में उन्हें एकएक डौग बोन दी गई, जिसे वह बाद में जब चाहे फुरसत से चबा सकते थे. रौक्सी रिटर्न गिफ्ट पा कर बहुत खुश था. उसे लीजा के साथ भी कुछ समय बिताने का अवसर मिल गया था, इस से आज उस की खुशी और भी बढ़ गई थी. दोनों ने एकदूसरे को जाते हुए बाय किया और रौक्सी नैंसी के साथ घर चला आया.

रौक्सी को लगा जैसे आज वह कोई सपना देख रहा हो. इस दिन के बारे में उस ने कभी सोचा तक नहीं था. वह मन ही मन सैम्युअल अंकल को धन्यवाद दे रहा था. जिन के कारण उसे आज यह दिन देखने का मौका मिला. घर आ कर रौक्सी विक्टर के पैरों से लिपट गया.

रोजी ने पूछा, ''कैसी रही पार्टी?''

रौक्सी ने जमीन पर लोट कर अपनी खुशी जताई. नैंसी ने रिटर्न गिफ्ट रोजी को थमाया और बोली, ''मैडम, यह रौक्सी के लिए है.''

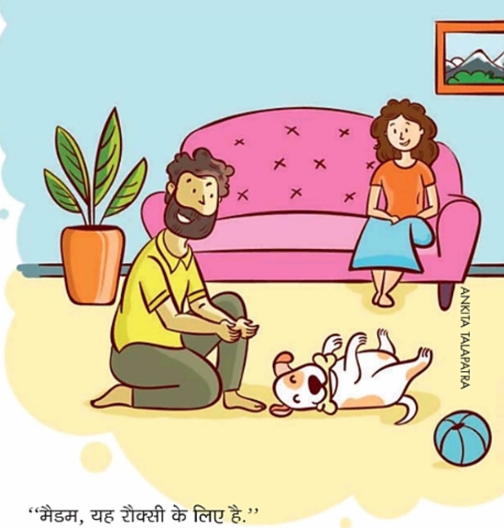
ANKITA TALAPATRA

''अरे वाह, सैम्युअल ने रिटर्न गिफ्ट भी दिया है. तुम्हें पार्टी कैसी लगी?''

''बहुत अच्छी थी मैडम, सारे डौगी बड़ी तमीज से बैठ कर पार्टी का मजा ले रहे थे.''

''हमारे लिए भी उन्होंने नाश्ते की बहुत अच्छी व्यवस्था की थी. सच में मुझे पहली बार ऐसी पार्टी देखने को मिली. मैडम, आप भी रौक्सी का जन्मदिन मनाएंगी? बहुत मजा आता है,'' नैंसी बोली.

रौक्सी ने चौंक कर नैंसी की ओर देखा. ऐसा लग रहा था जैसे वह कहना चाहता है, ''प्लीज, मेरा भी जन्मदिन जरूर मनाना. मैं भी कालोनी के डौगियों को अपने जन्मदिन की पार्टी में बुलाना चाहता हूं.''

''ठीक है हम इस बारे में सोचेंगे, पहले विक्टर को तो हौस्टल से घर आने दो,'' रोजी बोली.

रोजी के कहने पर नैंसी ने रौक्सी को लौन में खुला छोड़ा तो वह अपने जन्मदिन की पार्टी की कल्पना में खो गया. ●

बताओ तो जानें

1. मैं सुंदर और गोल हूं
मेरे ऊपर धारियां हैं
हवा से हो कर मैं जाती
और उछाल ले कर गिर जाती हूं.

2. मैं हर दिन अपनी दाढ़ी और बाल बनाता हूं
लेकिन फिर भी सबकुछ वैसा ही रहता है
बताओ तो मैं कौन हूं.

3. मेरे पास हैं बहुत सारे
शब्द और वाक्य
मुझ से सीखता है जग सारा
पर मैं न बोलूं एक भी शब्द.

4. तीन अक्षर का नाम मेरा
मैं ऊपर जा सकता हूं
पर नीचे नहीं आ सकता
बताओ तो मैं कौन हूं.

देखें तुम कितना जानते हो

1. कैरोलिन मिकेलसन किस मामले में प्रथम महिला मानी जाती हैं?
   (क) अरेबियन समुद्र में तैरने के लिए
   (ख) अंटार्कटिका में कदम रखने के लिए
   (ग) माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए
   (घ) चांद पर कदम रखने के लिए

2. इन में से कौन सा इंटरनैट का हिस्सा नहीं है?
   (क) वर्ल्ड वाइड वैब
   (ख) ईमेल
   (ग) सीडीरोम
   (घ) एचटीटीपी

3. किस के निर्माण में लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है?
   (क) पेंट
   (ख) गन पाउडर
   (ग) स्याही
   (घ) पेपर

4. बिजली की बैटरी का आविष्कार किस ने किया था?
   (क) ऐले सांड्रो वोल्टा
   (ख) सिल्वैस्टर ग्राहम
   (ग) बकमिंस्टर फुल्लैर
   (घ) जौयस हाल

उत्तर (बताओ तो जानें) : 1–बास्केट बॉल, 2–नाई, 3–किताब, 4–उमर.

उत्तर (देखें कितना जानते हो?) : 1–ख, 2–ग, 3–घ, 4–क.

मजेदार विज्ञान

पेपर रेस

आइए, हवा के प्रतिरोध को जानते हैं.

आप को चाहिए :

- पेपर की 2 शीट्स

ऐसा करें :

1. पेपर की एक शीट को तोड़मरोड़ कर बौल जैसी बना लें.

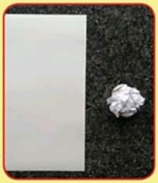

2. मुड़ेतुड़े पेपर को एक हाथ में और सपाट पेपर को दूसरे हाथ में पकड़ें. दोनों को एक ही समय में और एक ही ऊंचाई से नीचे गिरा दें.

देखें :

जब पेपर की बौल और शीट को एक ही समय में गिराया जाता है, तो बौल तेजी से नीचे की ओर गिरती है जबकि पेपर की शीट नीचे की ओर तैरती हुई गिरती है.

सोचें :

पेपर की बौल तेजी से क्यों गिरी?

जब पेपर की एक शीट को बौल बनाने के लिए तोड़मरोड़ दिया गया तो न केवल उस का रूप बदल गया बल्कि आकार भी बदल गया. हालांकि पेपर बौल और सपाट पेपर दोनों का वजन समान है. इसलिए जब दोनों को एक ही समय में नीचे गिराया जाता है तो दोनों पर गुरुत्वाकर्षण बल एक समान ही लग रहा होता है. गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी का वह बल है जो किसी वस्तु पर लगता है, अदृश्य रूप में कार्य करते हुए वस्तु को जमीन की ओर खींचता है. हमारे इस प्रयोग में जब दो शीट्स को एक ही समय और एक ही ऊंचाई से गिराया जाता है, तो पेपर बौल तेजी से गिरती है और सब से पहले जमीन पर आ जाती है. ऐसा हवा के प्रतिरोधक बल के कारण होता है जो दोनों चीजों पर लग रहा होता है. यह दोनों चीजों को नीचे से ऊपर की ओर यानी जमीन पर आने से रोकने के लिए धकेलता है. चूंकि बौल की सतह सपाट कम है इसलिए इस पर प्रतिरोधक बल कम लगता है जबकि खुली सपाट शीट की सतह ज्यादा है, इसलिए इस पर लगने वाला प्रतिरोध बल ज्यादा है. बौल पर लगने वाला खिंचाव बल यानी गुरुत्वाकर्षण शक्ति इसे तेजी से नीचे खींचती है. इस को सतह कम होने से हवा का प्रतिरोध बल कम है, जबकि यही बात सपाट शीट के साथ उल्टी है क्योंकि उस पर प्रतिरोधक बल ज्यादा लग रहा है, इसी वजह से शीट तैरती हुई देर से नीचे गिरती है. जाहिर है कि जिस वस्तु की सतह सपाट और चौड़ी होगी उस पर गुरुत्वाकर्षण बल के विरुद्ध प्रतिरोधक बल ज्यादा काम करेगा. जिस की सतह कम होगी, उस पर प्रतिरोधक बल कम लगेगा. जैसा हमारे इस प्रयोग में दिख रहा है.

कोशिश करें : *अपनी एक उंगली को पानी के टब में डालें और तेजी से चारों ओर घुमाएं. अब ऐसा ही अपनी हथेली यानी पंजे के साथ करें. आप देखेंगे कि उंगली की तुलना में पंजे को पानी में घुमाना मुश्किल हो रहा है. पंजे का उंगली की तुलना में तेजी से घुमाना इसलिए मुश्किल हो रहा है, क्योंकि इसे ज्यादा पानी हटाना पड़ रहा है. यह बिलकुल हमारी पेपर बौल और पेपरशीट के प्रयोग के जैसा ही है. बस, फर्क इतना है, वहां हवा का प्रतिरोधक बल है और यहां पानी का है.*

पता करें :

पैराशूट किस तरह काम करता है?

दौड़ना आसान होता है, लेकिन जब कोई आप को विपरीत दिशा से धक्का दे रहा हो तो आप का दौड़ना मुश्किल हो जाता है और आप की गति धीमी हो जाती है. एक पैराशूट इसी तरह से काम करता है. जब एक व्यक्ति पैराशूट पहन कर प्लेन से नीचे कूदता है, तो इसे गुरुत्वाकर्षण शक्ति तेजी से नीचे खींचती है, लेकिन जब पैराशूट खुल जाता है, तो इस के नीचे हवा का प्रतिरोध बल बढ़ जाता है, जो नीचे की ओर आ रहे पैराशूट की गति को कम कर देता है. चूंकि पैराशूट बहुत बड़ा होता है, इसलिए इस के नीचे हवा की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो प्रतिरोध के बल ज्यादा लगाती है और पैराशूट पहने व्यक्ति की नीचे आने की गति को धीमी कर देता है और इस तरह से व्यक्ति धरती पर आराम से सुरक्षित उतर जाता है.

सही अंक का पता लगाएं

16 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लाल पांडा दिवस है. नीचे दिखाए गए 5 देशों में 10 हजार से भी कम लाल पांडा पाए गए हैं. चित्र देखिए और कुल 10 हजार की संख्या को पूरा करने के लिए छूट गए अंकों का पता लगाइए.

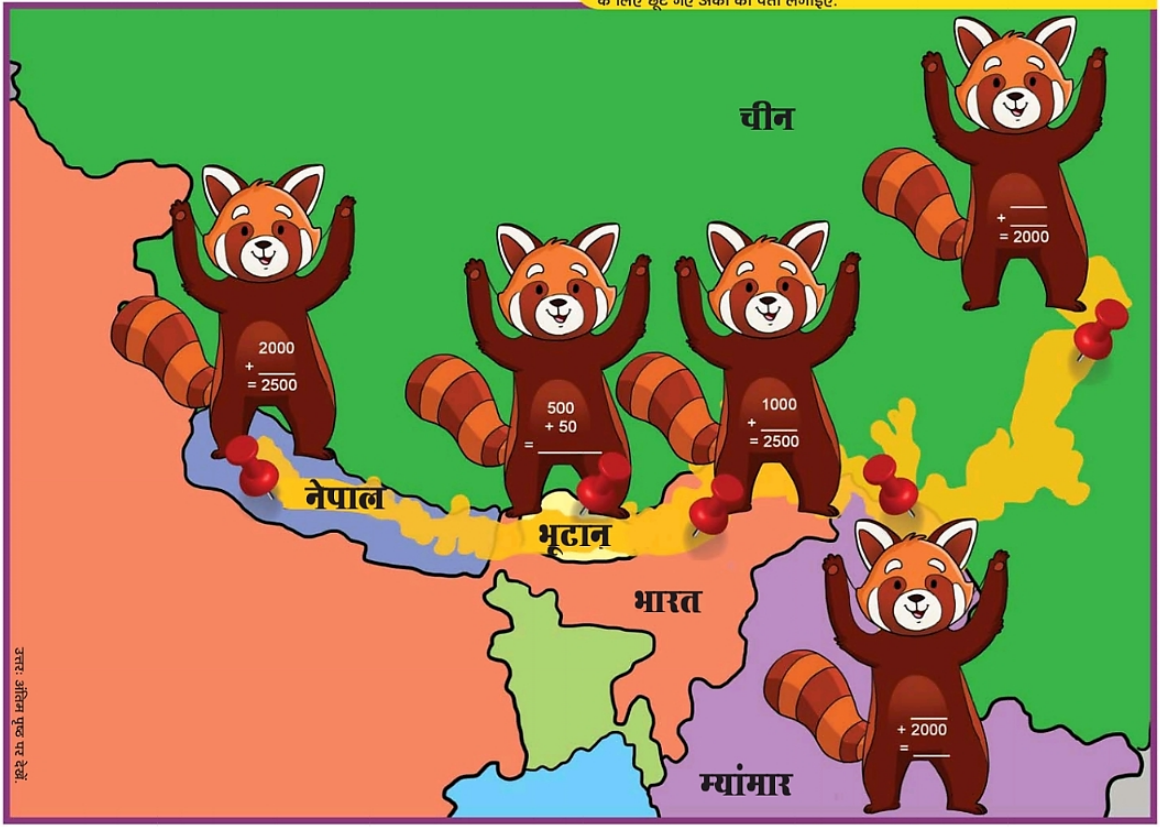
चीन
+ ____
= 2000
2000
+ ____
= 2500
500
+ 50
= ____
1000
+ ____
= 2500
नेपाल
भूटान
भारत
____
+ 2000
= ____
म्यांमार

उत्तर: अंतिम पृष्ठ पर देखें.

ओजोन परत की रक्षा करें

16 सितंबर को ओजोन दिवस है. इस दिवस को मनाने के लिए बच्चे साइकिल चला रहे हैं. सब से भारी साइकिल को आखिरी तक जाने में कितना समय लगेगा. सभी साइकिल सवारों के वजन को मापें और पता करें कि कौन सी साइकिल आखिरी रेखा तक सब से पहले पहुंचेगी.

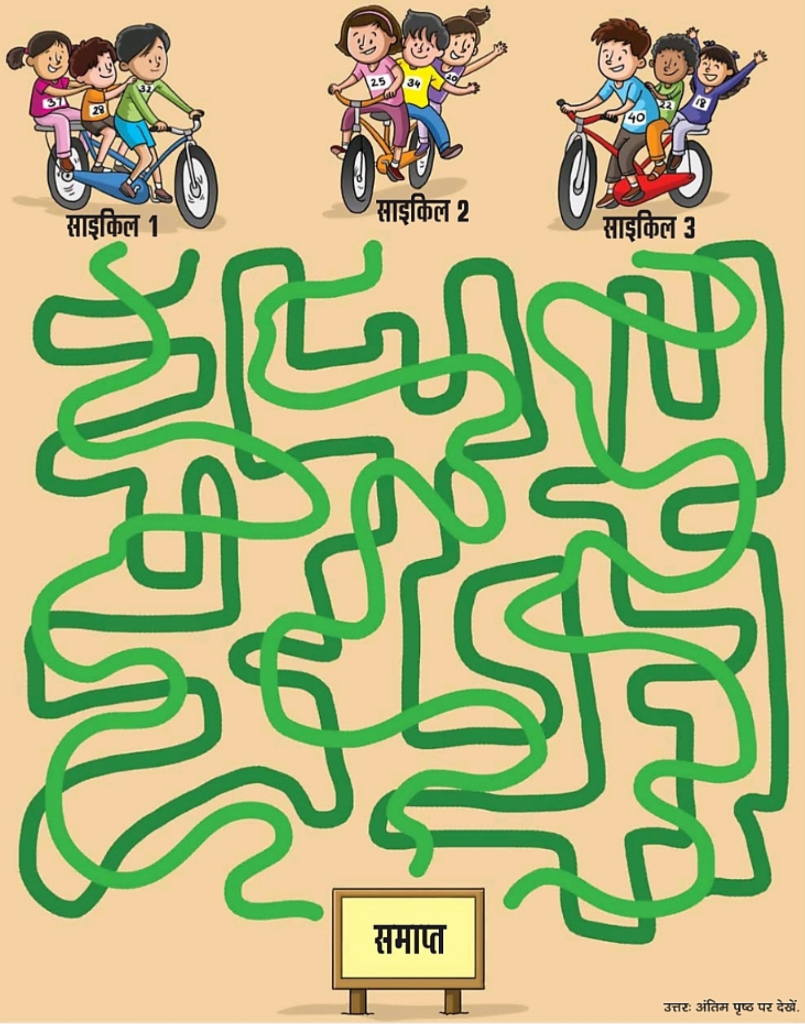
37
28
32
साइकिल 1
25
34
20
साइकिल 2
40
22
18
साइकिल 3
समाप्त

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

साहसी उर्विल

कहानी ● सिद्धेश भुसाने

उर्विल और उस के दोस्त उन की बिल्डिंग के नजदीक बस स्टौप पर खड़े थे. वे अपनी स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे. कुछ ही देर में अंकल वहां आए और सिगरेट पीने लगे. शायद वे भी अपनी कंपनी की बस का इंतजार कर रहे थे. इतने में उर्विल की स्कूल बस स्टौप पर आ गई.

लगभग 4-5 दिन तक ऐसा ही चलता रहा. उर्विल और उन अंकल का सुबह एक ही समय था. वे अंकल हर दिन बस स्टौप पर खड़े हो कर सिगरेट पीते थे. उन्हें इस तरह सिगरेट पीते देख एक दिन उर्विल ने अपने दोस्तों से कहा, ''हमें इन अंकल से बात करनी चाहिए, क्योंकि इस तरह पब्लिक प्लेस पर सिगरेट पीने से वह अपने साथसाथ हमें और अन्य लोगों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जो सिगरेट नहीं पीते. कल शनिवार है और हमारे स्कूल की भी छुट्टी है, इस बारे में उन से बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. इस बारे में मुझे अपने पापा से भी बात करनी चाहिए.

उर्विल के दोस्त मान गए. उस दिन स्कूल से घर आने के बाद उर्विल ने अपने पापा को यह बात बताई. उर्विल के पापा पुलिस में थे. वे उर्विल की बात सुन कर बोले, ''उर्विल, सचमुच यह गलत है. तुम अपने सारे दोस्तों

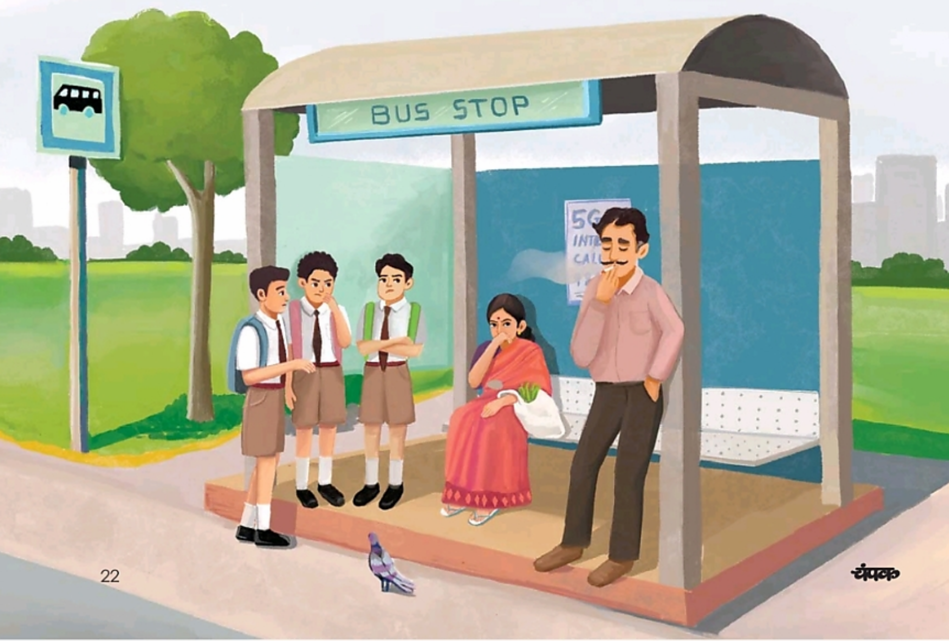

को आज शाम अपने घर बुलाओ. मैं तुम्हें और तुम्हारे दोस्तों को समझाऊंगा कि ऐसे लोगों से कैसे बोलना चाहिए? हमें किसी से डरना नहीं चाहिए.''

शाम को उर्विल के सभी दोस्त उस के घर आए. उर्विल के पापा बोले, ''आओ, बैठो बच्चो. उर्विल ने मुझे बस स्टौप पर उस आदमी के बारे में बताया.

तुम सब को उस से बात करनी चाहिए. कल मैं तुम्हारे साथ बस स्टौप तक आऊंगा, लेकिन उन अंकल से तुम बात करोगे उर्विल, क्योंकि तुम्हें भी बड़ा हो कर पुलिस अधिकारी बनना है. जो गलत है, वह गलत है. हमें अपने बड़ों से बात करने से डरना नहीं चाहिए, जब वे गलत हों.

अपने लैपटौप पर इंटरनैट के जरिए मैं सिगरेट और उस के दुष्परिणामों के बारे में कुछ वीडियो दिखाऊंगा. उन को ध्यान से देखना. ये सभी बातें उन अंकल से बात करने में तुम्हारी मदद करेंगी. हालांकि मैं आप के साथ रहूंगा, लेकिन मैं कुछ दूरी पर खड़ा रहूंगा. यदि तुम्हें कुछ प्रौब्लम हुई तो मुझे बुला लेना. तुम बच्चों को किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि सब को बहादुर और साहसी बनना चाहिए,'' इतना कह कर उर्विल के पापा ने सब को वीडियो दिखाए.

अगले दिन उर्विल और उस के दोस्त बस स्टौप की ओर चल पड़े. उन के साथ उर्विल के पापा भी थे. उर्विल के पापा थोड़ी दूर पेड़ के पीछे खड़े रहे और बोले, ''जाओ बच्चो, बहादुरी से सामना करो उन अंकल का.''

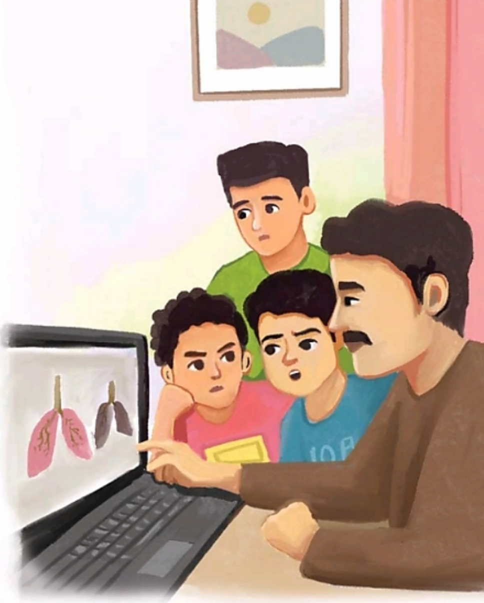

उर्विल और उस के दोस्त बस स्टौप पर गए. तब तक वे अंकल भी वहां आ गए थे. हमेशा की तरह उन्होंने अपनी जेब से सिगरेट निकाली. तभी उर्विल आगे बढ़ा और बोला, ''रुकिए अंकल, आप पब्लिक प्लेस पर सिगरेट नहीं पी सकते. आप को हम सब 4-5 दिन से देख रहे हैं, लेकिन कुछ बोल नहीं पाए. आप के यहां सिगरेट पीने से आप के साथसाथ हमें भी नुकसान पहुंच रहा है, क्योंकि इस बस स्टौप पर छोटे बच्चे, बूढ़े और अन्य लोग भी होते हैं. उन की क्या गलती है? वे तो सिगरेट नहीं पीते, लेकिन आप के सिगरेट पीने से जो धुंआ निकलता है, वह सब के शरीर में जाता है.'' उर्विल की बातें सुन कर अंकल को गुस्सा आया और वे उस से बोले, ''यहां बहुत सारे लोग हैं, लेकिन सिर्फ तुझे ही प्रौब्लम है, दूसरे लोग तो मुझ से कुछ नहीं बोल रहे हैं.''

अंकल की बातें सुन कर उर्विल बोला, ''मैं

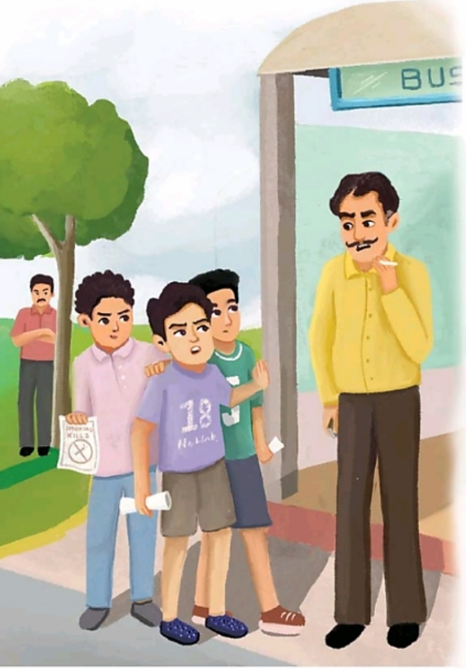

आप से डरता नहीं, लेकिन पब्लिक प्लेस पर सिगरेट पीना गलत है.

''मैं आप की कंप्लैंट कर सकता था, लेकिन मैं ने आप से बात की. मुझे लगा आप मेरी बात सुनेंगे. सिगरेट पीने से कैंसर होता है. साथ ही सिगरेट से फेफड़ों पर भी असर पड़ता है. लोगों के मानसिक जीवन पर भी इस का गलत प्रभाव पड़ता है. आप के साथसाथ यहां मौजूद सभी लोगों को इस का असर हो रहा है. इसलिए आगे से यहां सिगरेट मत पीजिएगा.''

उर्विल की बातों का अंकल पर गहरा असर हुआ और वे बोले, ''मुझे माफ करना उर्विल, आज से मैं यहां बिलकुल भी सिगरेट नहीं पीऊंगा. मैं ने आज से सिगरेट पीना छोड़ दिया है. तुम जैसे छोटे बच्चे ने मेरी आंखें खोल दीं.''

उर्विल बोला, ''थैंक यू अंकल,'' उर्विल और उस के दोस्त वहां से चले गए.

उर्विल के पापा ने पेड़ के पीछे से सारा खेल देख लिया था. जल्दी उर्विल के सभी दोस्त उस के पापा के पास आए. तब उर्विल के पापा बोले, ''शाबाश बच्चो, तुम सभी बहुत बहादुर हो. कभी भी कहीं कुछ गलत हो रहा हो तो तुम्हें तुरंत बहादुरी से बोलना चाहिए. नहीं तो प्रौब्लम बढ़ सकती है. आप सब की बहादुरी से मैं खुश हो गया हूं, इसलिए आप सब को मैं आइसक्रीम पार्लर ले जा रहा हूं. आप सब अपनीअपनी पसंद की आइसक्रीम खाना,'' बच्चे अपनी जीत की पार्टी से बहुत खुश और दावत से उत्साहित थे. ●

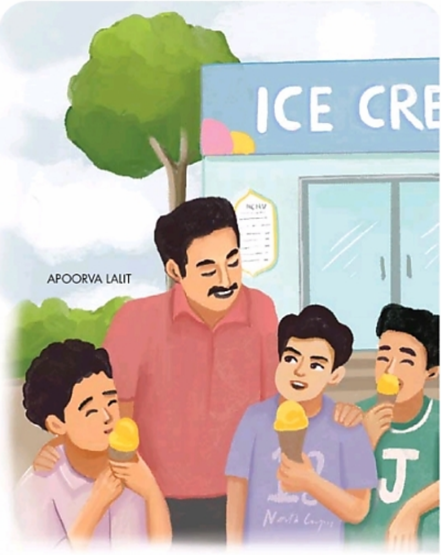

APOORVA LALIT

समय बताएं

सुबह 6 बजे समुद्री डाकू का जहाज ट्रेजर आइलैंड यानी खजाने वाले टापू की ओर चल पड़ा. संकेतों को पढ़िए और अनुमान लगाइए कि ज्यादा से ज्यादा खजाना इकट्ठा करने के लिए जहाज कब और किस समय अन्य तीन बंदरगाहों पर पहुंचेगा.

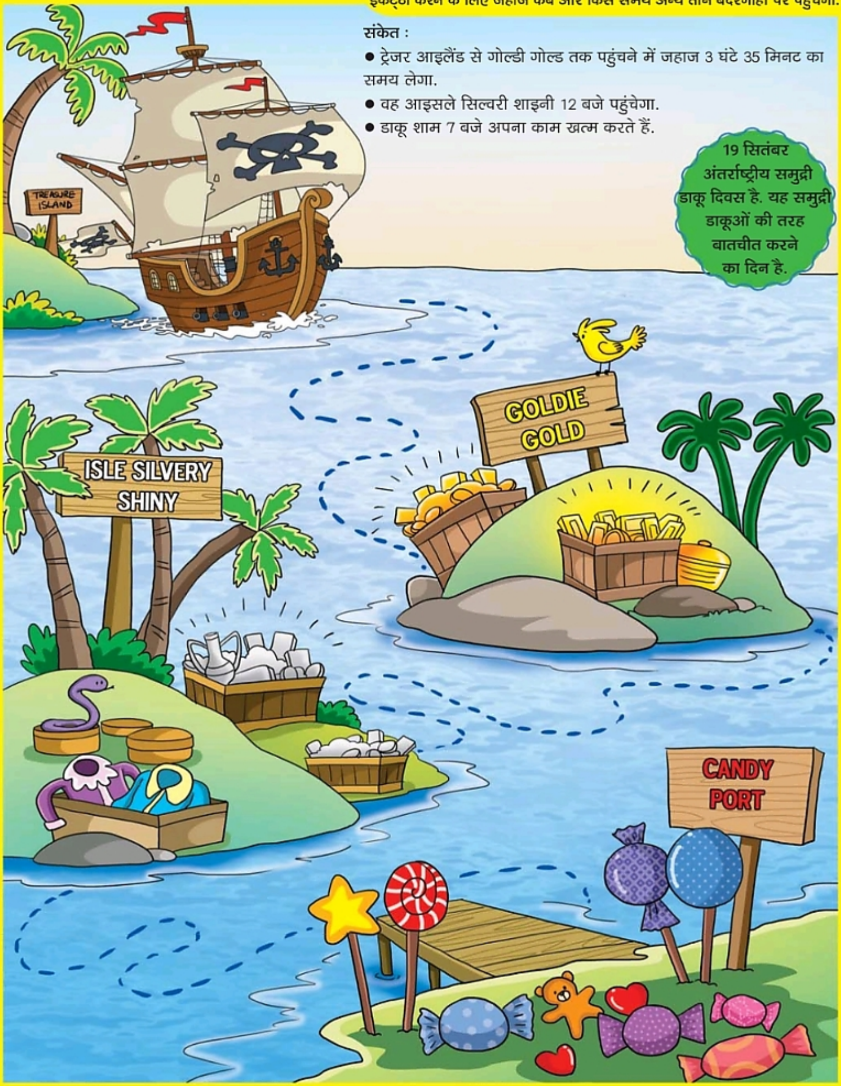
TREASURE ISLAND
GOLDIE GOLD
ISLE SILVERY SHINY
CANDY PORT

संकेत :

- ट्रेजर आइलैंड से गोल्डी गोल्ड तक पहुंचने में जहाज 3 घंटे 35 मिनट का समय लेगा.
- वह आइसले सिल्वरी शाइनी 12 बजे पहुंचेगा.
- डाकू शाम 7 बजे अपना काम खत्म करते हैं.

19 सितंबर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री डाकू दिवस है. यह समुद्री डाकूओं की तरह बातचीत करने का दिन है.

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

चीकू

चित्रकथा : दास

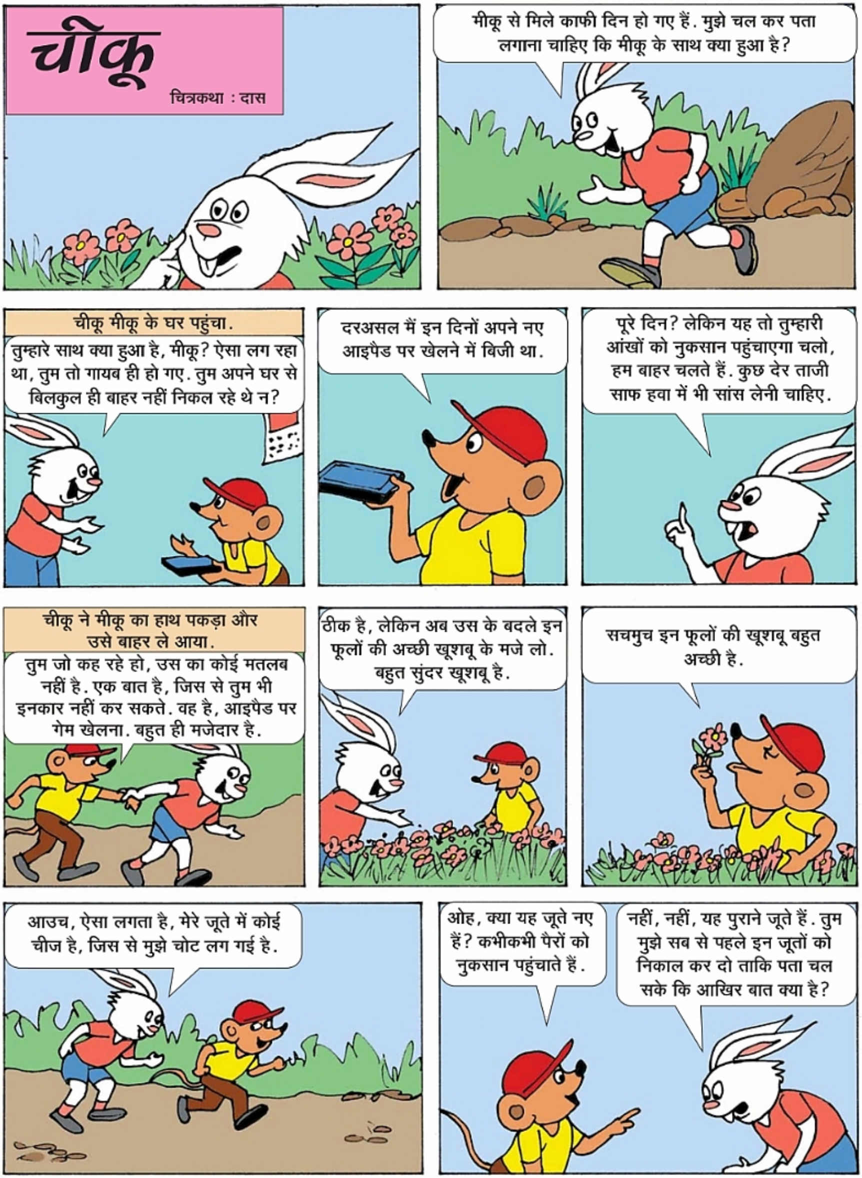
मीकू से मिले काफी दिन हो गए हैं. मुझे चल कर पता लगाना चाहिए कि मीकू के साथ क्या हुआ है?
चीकू मीकू के घर पहुंचा.
तुम्हारे साथ क्या हुआ है, मीकू? ऐसा लग रहा था, तुम तो गायब ही हो गए. तुम अपने घर से बिलकुल ही बाहर नहीं निकल रहे थे न?
दरअसल मैं इन दिनों अपने नए आइपैड पर खेलने में बिजी था.
पूरे दिन? लेकिन यह तो तुम्हारी आंखों को नुकसान पहुंचाएगा चलो, हम बाहर चलते हैं. कुछ देर ताजी साफ हवा में भी सांस लेनी चाहिए.
चीकू ने मीकू का हाथ पकड़ा और उसे बाहर ले आया.
तुम जो कह रहे हो, उस का कोई मतलब नहीं है. एक बात है, जिस से तुम भी इनकार नहीं कर सकते. वह है, आइपैड पर गेम खेलना. बहुत ही मजेदार है.
ठीक है, लेकिन अब उस के बदले इन फूलों की अच्छी खूशबू के मजे लो. बहुत सुंदर खूशबू है.
सचमुच इन फूलों की खूशबू बहुत अच्छी है.
आउच, ऐसा लगता है, मेरे जूते में कोई चीज है, जिस से मुझे चोट लग गई है.
ओह, क्या यह जूते नए हैं? कभीकभी पैरों को नुकसान पहुंचाते हैं.
नहीं, नहीं, यह पुराने जूते हैं. तुम मुझे सब से पहले इन जूतों को निकाल कर दो ताकि पता चल सके कि आखिर बात क्या है?

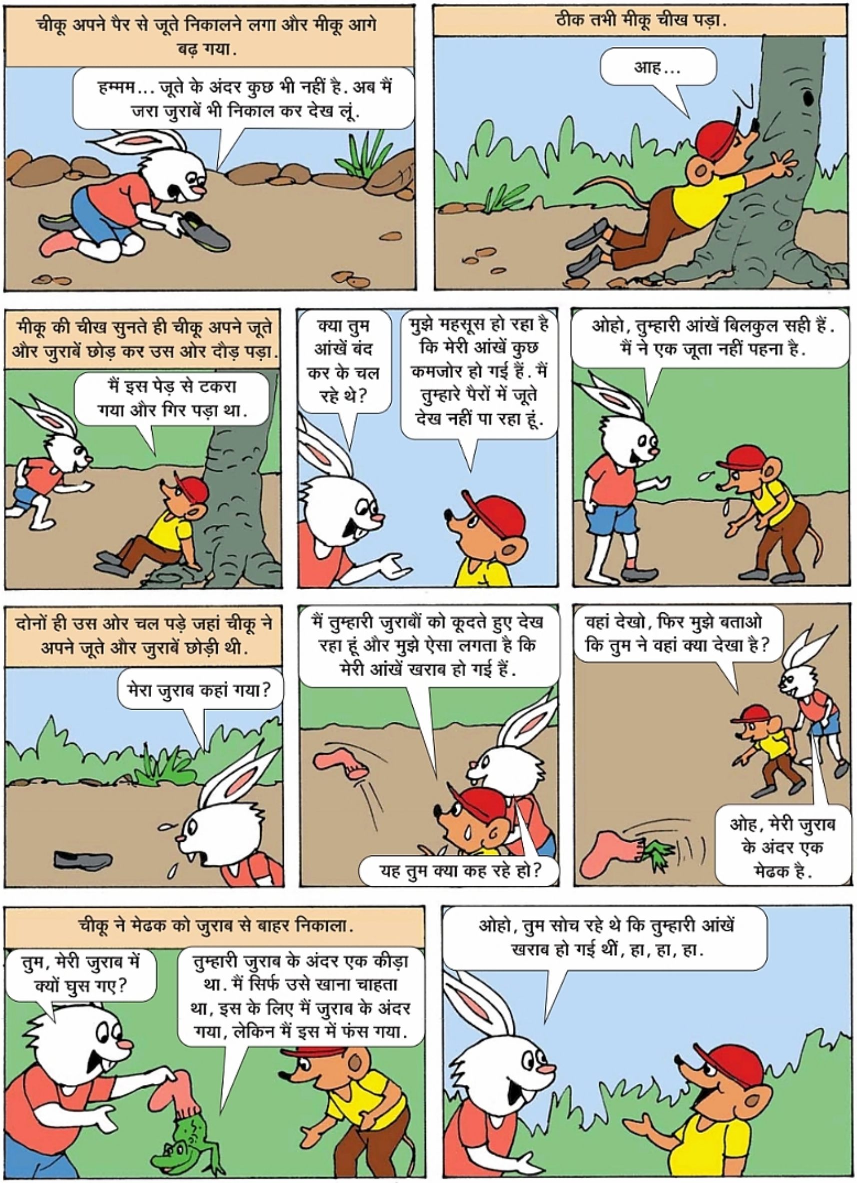
चीकू अपने पैर से जूते निकालने लगा और मीकू आगे बढ़ गया.
हम्मम... जूते के अंदर कुछ भी नहीं है. अब मैं जरा जुराबें भी निकाल कर देख लूं.
ठीक तभी मीकू चीख पड़ा.
आह...
मीकू की चीख सुनते ही चीकू अपने जूते और जुराबें छोड़ कर उस ओर दौड़ पड़ा.
मैं इस पेड़ से टकरा गया और गिर पड़ा था.
क्या तुम आंखें बंद कर के चल रहे थे?
मुझे महसूस हो रहा है कि मेरी आंखें कुछ कमजोर हो गई हैं. मैं तुम्हारे पैरों में जूते देख नहीं पा रहा हूं.
ओहो, तुम्हारी आंखें बिलकुल सही हैं. मैं ने एक जूता नहीं पहना है.
दोनों ही उस ओर चल पड़े जहां चीकू ने अपने जूते और जुराबें छोड़ी थी.
मेरा जुराब कहां गया?
मैं तुम्हारी जुराबों को कूदते हुए देख रहा हूं और मुझे ऐसा लगता है कि मेरी आंखें खराब हो गई हैं.
यह तुम क्या कह रहे हो?
वहां देखो, फिर मुझे बताओ कि तुम ने वहां क्या देखा है?
ओह, मेरी जुराब के अंदर एक मेढक है.
चीकू ने मेढक को जुराब से बाहर निकाला.
तुम, मेरी जुराब में क्यों घुस गए?
तुम्हारी जुराब के अंदर एक कीड़ा था. मैं सिर्फ उसे खाना चाहता था, इस के लिए मैं जुराब के अंदर गया, लेकिन मैं इस में फंस गया.
ओहो, तुम सोच रहे थे कि तुम्हारी आंखें खराब हो गई थीं, हा, हा, हा.

बिंदु मिलाओ

अंकों के अनुसार बिंदुओं को मिलाएं और चित्र को पूरा करें.

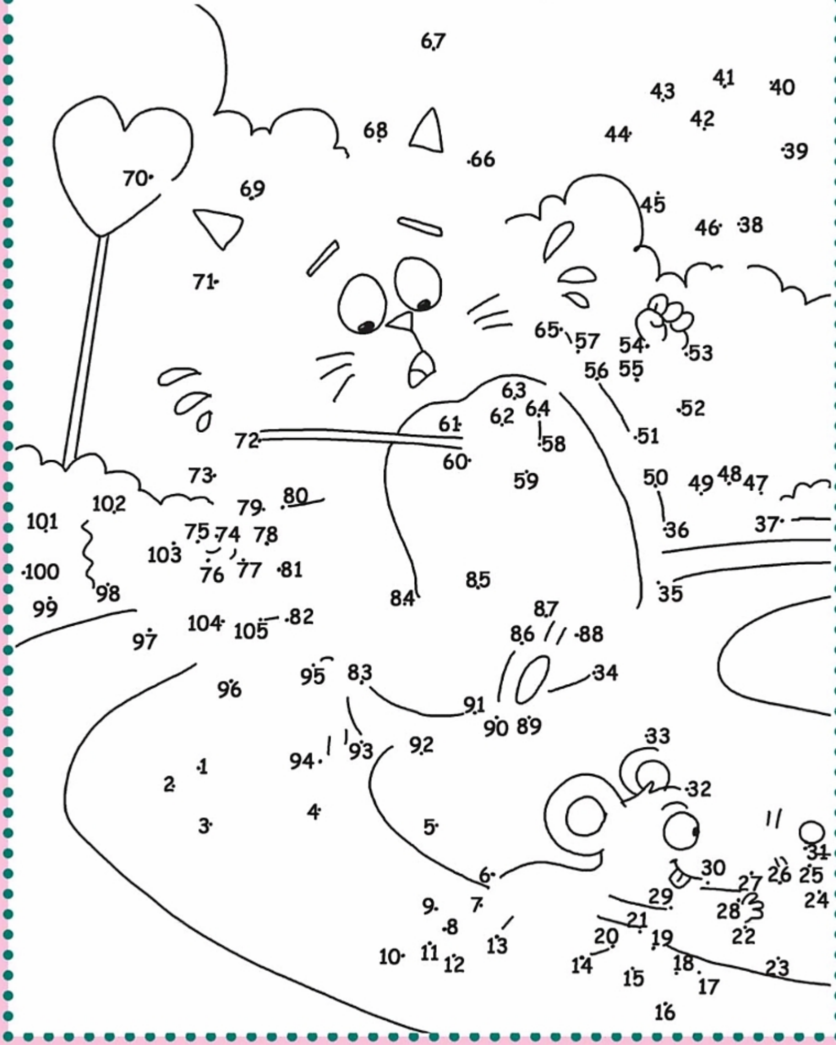
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105

भिंडी का व्यापार

कहानी ● मुरली टीवी

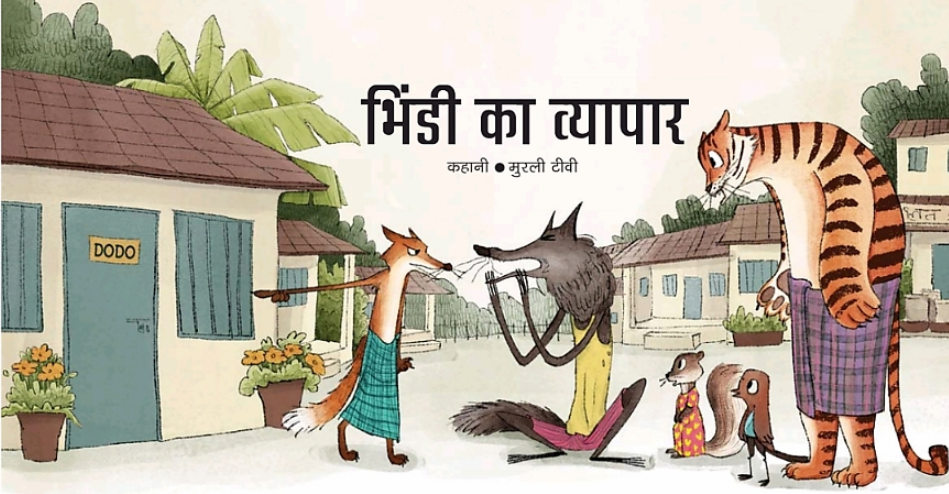

''उस के घर की तोड़फोड़ कर दो,'' फरहान लोमड़ चीखा. ''उसे इतना पीटो, इतना पीटो कि उस का फलूदा निकल जाए,'' वैली भेड़िया चिल्लाया. हमलावर भीड़ डोडो गधे के घर के सामने जमा हो गई थी.

''डोडो के साथ क्या हुआ?'' टैबी बाघ ने उत्सुकता से पूछा.

''डोडो हमारा हमदर्द बनने का नाटक कर के हम सभी को बेवकूफ बना रहा था,'' फरहान ने कहा. ''यह मुश्किल से एक महीने पहले की बात है जब उस ने हमारे आनंदवन में रहना शुरू किया था. हम ने कभी भी उस की आदतों की जांचपड़ताल नहीं की थी.''

''इस से पहले कि हम अपने भोलेपन का खमियाजा भुगतें, हमें उसे एक सबक जरूर सिखाना चाहिए और आनंदवन से बाहर निकाल फेंकना चाहिए,'' वैली गुर्राते हुए बोला.

''डोडो अच्छा पढ़ालिखा है. मैं सोच भी नहीं सकती कि वह हमें नुकसान पहुंचाएगा,'' सपना गिलहरी ने बीच में टोकते हुए कहा.

''सब से पहले यह सब सुनो, उस के बाद अपनी प्रतिक्रिया दो,'' वैली ने कहा और औडियो अपने मोबाइल पर चला दिया.

''मुझे लेडीफिंगर का स्वाद पसंद है. मैं ने आज कुछ लेडीफिंगर्स को काटा और उन का स्वाद लिया. वाउ, कितने स्वादिष्ठ हैं,'' सभी ने हैरान हो कर औडियो को सुना. ''मैं आने वाले दिनों में कुछ और लेडीफिंगर्स को काटने की योजना बना रहा हूं, इस से पहले कि वे अपने सुंदरता व स्वाद खो दें.''

''यह तो डोडो की आवाज है,'' टैबी ने औडियो को कन्फर्म करते हुए कहा.

''लेडीफिंगर खाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी फायदों के प्रति हमें अपने लोगों को जागरूक करना चाहिए,'' औडियो में एक महिला की मीठी आवाज आई.

''ओह, डोडो एक महिला साजिशकर्ता के साथ भी मिला हुआ है,'' सपना ने कहा, ''ऐसा लगता है, डोडो किसी अंतर्राष्ट्रीय गैंग के साथ मिला हुआ है.''

कक्कू कोयल ने कहा, ''हम महिलाएं तो अब खतरे में हैं.''

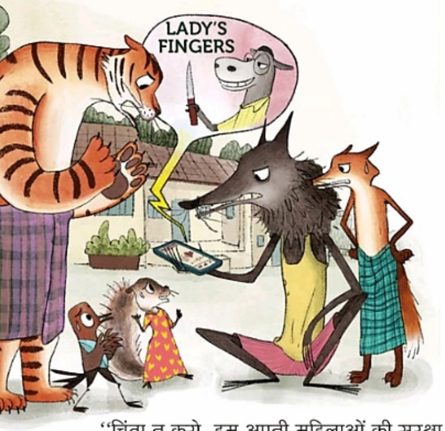

''चिंता न करो, हम अपनी महिलाओं की सुरक्षा के लिए यहीं पर हैं,'' टैबी ने दृढ़ता और गंभीरता के साथ कहा.

कुछ गलत हुआ है, ऐसा महसूस करते हुए डोडो ने अपनी खिड़की खोली, ''गुडमौर्निंग, लेडीज ऐंड.''

इस से पहले कि डोडो अपनी बात पूरी कर पाता, फरहान चीख पड़ा, ''तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?''

''हम अशिक्षित हो सकते हैं, लेकिन कायर नहीं हैं. हम यहां अपनी महिलाओं को सुरक्षित रखेंगे,'' वैली ने चिल्लाते हुए कहा.

''इस से पहले कि वह भाग जाए, हमें उस के घर को तोड़ देना चाहिए और उसे पकड़ लेना चाहिए,'' ऐडी हाथी चिंघाड़ते हुए बोला. डोडो के घर को चारों ओर से जानवरों ने घेर कर बाहर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया. दरवाजों को अवरुद्ध कर दिया.

''रुको, रुको, रुको,'' पीहू तोता जो अब वहां आ चुकी थी, बोली, ''हमला करने में तुम्हें शर्म नहीं आती.''

इस से पहले कि पीहू अपना वाक्य पूरा कर पाती, कक्कू कोयल ने उसे पकड़ लिया और चीखते हुए बोली, ''वैली, एक बार फिर औडियो प्ले करो. मुझे शक है कि औडियो में जो महिला है, वह पीहू ही है.''

''हमें अपने लोगों को लेडीफिंगर खाने के फायदे के बारे में जागरूक करना चाहिए,'' एक बार फिर सभी ने मधुर स्वर सुना और भौचक्क रह गए.

''हां, यह मेरी आवाज है,'' पीहू ने कहा.

''क्या, तुम भी शैतानों की टोली में शामिल हो?'' कोयल हैरान हो कर बोली.

ठीक उसी समय डोडो अपनी पीठ पर एक बड़ा सा बोरा लादे एक चाकू पकड़े घर से बाहर निकला. ''पीहू, चलो, हम अपनी लेडीफिंगर्स को अलग आकार में काटते हैं और उन्हें दिखाते हैं कि कैसे सब से अच्छे डिशेज बना सकते हैं.''

कोयल, सपना, स्वीटी, लवली और अन्य सभी लेडीज यानी महिलाएं अचानक चिल्ला उठीं और ऐडी हाथी के पीछे छिप गईं. एक पल के लिए सभी हैरान हो गए.

''ओह, मैं खुद को संभाल नहीं पा रही हूं,'' पीहू ने अचानक कहा और हंसने लगी, जबकि अन्य सभी को एक दूसरा झटका लगा जब डोडो ने कहा कि बोरा लेडीफिंगर से भरा हुआ था.

डोडो और पीहू ने हंसते हुए बोरे को खोला और कहा, ''ये हैं लेडीफिंगर, जिन्हें कल काटा गया था.''

''ओह् ह् ह्...'' सभी चीख पड़ी, कुछ ने तो अपनी आंखें बंद कर लीं.

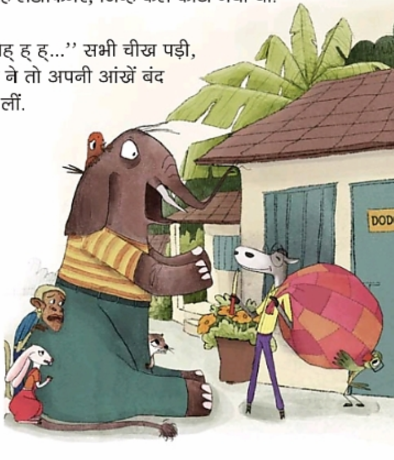

''हमें भिंडी दिखा कर बेवकूफ बनाने की कोशिश मत करो. लेडीफिंगर लाओ और सरेंडर कर दो,'' वैली डोडो पर चिल्लाया.

इस से पहले कि वहां की स्थिति बिगड़ती, पीहू ने कहा, ''मैं समझती हूं कि पिछली रात फरहान और वैली ने मेरे साथ डोडो की चर्चा को छिप कर सुन लिया, सही है न?''

फरहान और वैली ने हिचकिचाते हुए हां में सिर हिला दिया. ''चिंता करने की कोई बात नहीं है,'' पीहू ने कहा.

''फरहान और वैली ने हमारी बातचीत का गलत मतलब निकाला. वे इस बात का विश्वास नहीं कर सकते कि हम अपने भिंडी के बिजनैस के बारे में बात कर रहे थे. भिंडी का अंगरेजी नाम 'लेडीफिंगर' है,'' पीहू खुशी से चिल्लाई.

सभी जोरदार ठहाका लगा कर हंस पड़े. डोडो ने सभी को उपहार में एक किलो भिंडी दी.

''अब चलिए, हम भिंडी मसाला, भिंडी फ्राइ, भिंडी सांबर, भिंडी दही और भी बहुत कुछ का स्वाद लेते हैं, जो यहां पर हैं,'' पीहू ने कहा, जब वह सभी को ये सारी डिशेज परोस रही थी.

''मैं भिंडी को पौधों पर देखना पसंद करता था, लेकिन मैं सचमुच उन्हें खाना पसंद नहीं करता था,'' सूअर के बच्चे पिग्गी ने कहा.

''अगर तुम भिंडी खाना शुरू कर दोगे तो, स्वस्थ बन जाओगे,'' पीहू बोली.

''हम तो बहुत सारे फल, सागसब्जी और पत्ते खाते हैं. फिर भिंडी के साथ ऐसी खास बात क्या है?'' मोनू बंदर ने पूछा, जिसे भिंडी बिलकुल भी पसंद नहीं थी. पैटी पिल्ला, गिगी जिराफ और कैटी किटन पिग्गी और मोनू के जैसे ही थे. वे भी भिंडी खाना कभी पसंद नहीं करते थे.

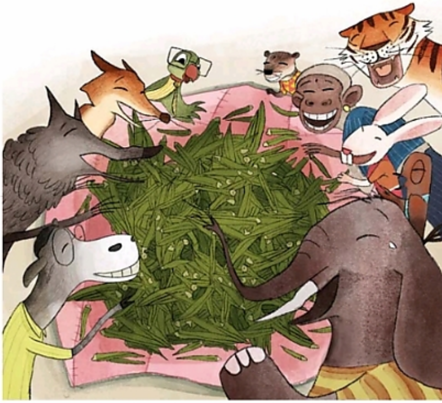

''तुम में से ज्यादातर को भिंडी खाना पसंद है. कुछ हैं जो इसे खाना बिलकुल पसंद नहीं करते. लेकिन तुम में से कितने हैं जिन्हें भिंडी खाने के फायदों के बारे में जानकारी है?'' पीहू ने हंसते हुए सभी से पूछा.

''यह स्वादिष्ठ है, इसलिए इसे खाने का लाभ है,'' सपना ने जवाब दिया. पिग्गी अपने चश्मे को पोंछने में लगा था. तो मोनू अपने पेट को थपथपा रहा था.

''भिंडी तुम्हारी आंखों के लिए काफी अच्छी है, क्योंकि इस में कैरोटेनोइड्स काफी मात्रा में होते हैं, जो आंखों की रोशनी को सही बनाए रखते हैं,'' पीहू ने कहा. कैरोटेनोइड्स आप की त्वचा की कोशिकाओं की बढ़ोतरी के लिए आवश्यक हैं. यूवी किरणों द्वारा आप की त्वचा को जो नुकसान होता है, उसे भी वे कम करते हैं. कैरोटेनोइड्स में त्वचा के लिए ऐंटी एजिंग इफैक्ट्स यानी त्वचा की उम्र को कम करने वाले प्रभाव भी होते हैं, जो त्वचा पर पपड़ी नहीं बनने देते हैं. अगर आप उचित मात्रा में भिंडी खाते हैं, तो आप की त्वचा स्वस्थ रहेगी,'' पीहू ने बताया.

''हम अभी भी करोना वायरस महामारी से पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं. क्या भिंडी किसी तरह हमारी मदद कर सकती है?'' गीगी जिराफ ने शरारती अंदाज में पूछा. वह अपनी शरारतों के मामले में बहुत ज्यादा शैतान था.

''क्यों नहीं?'' डोडो ने जवाब दिया, ''भिंडी में

विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है जो हमारी बीमारी से लड़ने की ताकत बढ़ाता है.''

''तब तो मैं आज से ही ढेर सारी भिंडी खाना शुरू कर दूंगा. उस के बाद मैं कोरोना वारयस से बचने के बारे में सब को बताऊंगा,'' गीगी ने दृढ़ता से कहा. सभी हंसने लगे.

भिंडी खाने से हमारे रैड ब्लड सेल्स बढ़ने में सहायता मिलती है. इस को खाने के और भी बहुत सारे फायदे हैं जैसे कि वजन कम करने के लिए डायबिटीज लोगों को कब्ज से राहत, कौलेस्ट्रोल लैवल में कमी आना, बड़ी आंत के कैंसर का खतरा कम हो जाता है और साथ ही स्वस्थ हृदय यानी हैल्दी हार्ट के लिए भी भिंडी खाना अच्छा है,'' डोडो ने बताया.

''शायद तुम विश्वास न करो, लेकिन भिंडी में बहुत अधिक कैलोरी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, वसा, फोलिक एसिड, विटामिन सी, विटामिन के, मैग्निशियम, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, लोहा और बहुत सारे अन्य पौष्टिक तत्त्व होते हैं. क्या तुम इस बात पर विश्वास करोगे?'' पीहू ने सभी से पूछा. तभी नन्हे बच्चे जो भिंडी खाना जरा भी पसंद नहीं करते थे, खुश हो गए और भिंडी के बारे में और भी बहुत कुछ जानने की इच्छा व्यक्त करने लगे.

डोडो ने सभी को अपने भिंडी के फौर्म पर आने का आमंत्रित दिया. फौर्म, हरियाली से पूर्ण और ताजा दिखाई दे रहा था. ''भिंडी के पौधे तो बहुत सुंदर दिखते हैं,'' सपना ने कहा. ''मुझे तो फूल बहुत पसंद हैं,'' कोयल बोली.

''क्या मैं एक बडी भिंडी खा सकता हूं?'' पिग्गी ने पूछा. ''छोटी साइज वाली भिंडी जो बहुत अधिक लंबी नहीं है, खाना अच्छा रहेगा क्योंकि बड़ी भिंडी में बीज भरे होते हैं जो स्वाद खराब कर देते हैं,'' पीहू ने कहा. ''इस के दोनों सिरों से बिट्स को हटा दें जो खाने योग्य नहीं हैं. खराब, खरोंच लगी और कट वाले भिंडी का उपयोग करने से बचें. खाने से पहले भिंडी में कीड़े आदि को देख ले.''

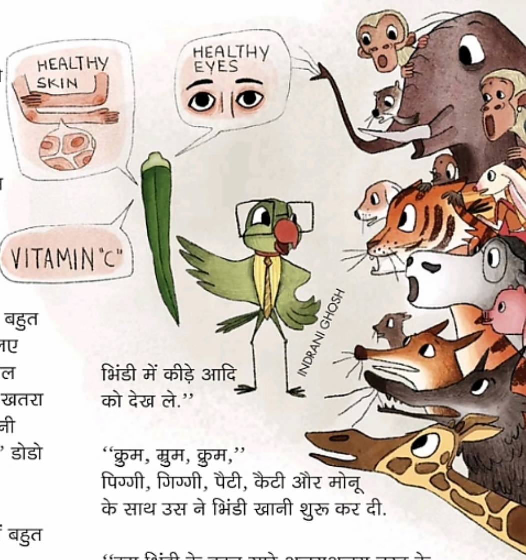

''क्रुम, म्रुम, क्रुम,''
पिग्गी, गिग्गी, पैटी, कैटी और मोनू के साथ उस ने भिंडी खानी शुरू कर दी.

''हम भिंडी के बहुत सारे अलगअलग तरह के पकवान बनाएंगे. इन्हें अलगअलग आकार में काटा जा सकता है,'' पीहू ने कहा, जिस ने भिंडी को काटना शुरू कर दिया था.

''इसे स्लाइस की तरह भी काट सकते हैं,'' सपना चीखते हुए बोली.

''इसे अब चौप्ड किया जाएगा,'' कोयल बोली. ''अब मैं इसे तिरछे आकार में काटने जा रही हूं. हम इसे स्टार्टर के लिए लंबाई में फ्राइ कर सकते हैं,'' पीहू ने विस्तार से कहा.

''हैलो, लेडीज ऐंड जैंटलमैन, अगर किसी को भी लेडीफिंगर को काटने में मदद चाहिए तो तुरंत मुझे कौल कर लें,'' फरहान ने मजाक करते हुए सभी से कहा.

''और लेडीफिंगर को पकाने में मदद चाहिए, तो मैं यहां पर हाजिर हूं,'' वैली ने हंसते हुए कहा और अब किसी भी महिला यानी लेडीज ने ऐडी हाथी के पीछे छिपने की कोशिश नहीं की. सभी बड़े खुश थे. ●

तुलसी वृंदावन

द्वारा - पूजा नंदनवार

स्मार्ट

16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस है. तुलसी का पौधा औक्सीजन पैदा करता है और हानिकारक गैसों जैसे कार्बनडाइ औक्साइड और कार्बन मोनो औक्साइड के प्रभाव को कम कर देता है. इस पौधे को लगाइए और ओजोन परत की रक्षा कीजिए.

आप को चाहिए : चिकनी मिट्टी और पानी.

ऐसे बनाएं :

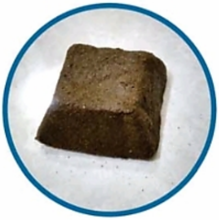

1. चिकनी मिट्टी में पानी मिलाएं. इन्हें अच्छी तरह मिक्स कर लें. जैसा चित्र में दिखाया गया है, एक ट्रैपेजियम का आकार बना लें.

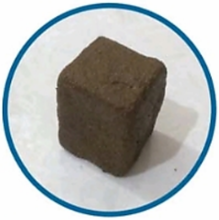

2. चिकनी मिट्टी से एक क्यूब बना लें फिर क्यूब के सभी किनारों को अच्छे से जांच कर किनारों को सही कर लें जिस से यह ट्रैपेजियम पर फिट हो जाए.

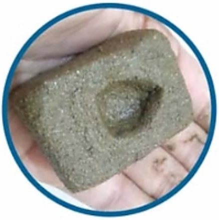

3. पैंसिल का प्रयोग करते हुए क्यूब से काट कर आकार बना लें.

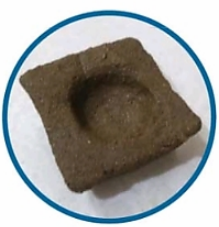

4. एक और ट्रैपेजियम बना लें और ऊपर से कुछ मिट्टी काट कर निकाल दें, जैसा चित्र में दिखाया गया है.

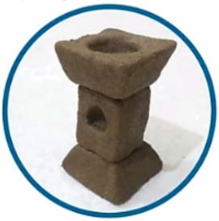

5. तीनों आकारों में थोड़ा सा पानी मिलाएं और एकदूसरे के ऊपर रख दें. जैसा चित्र में है.

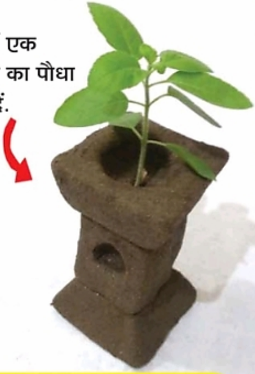

इस में एक तुलसी का पौधा लगा दें.

अपने घर पर इसे स्वयं ही बनाने की कोशिश करें. हमें अपने तुलसी के पौधे की तस्वीर भेज दें.
writetochampak@delhipress.in या एक फोटो खींच कर +91 8657402248 पर भेज दें.

वीर की लिखावट

कहानी ● पूनम पांडे

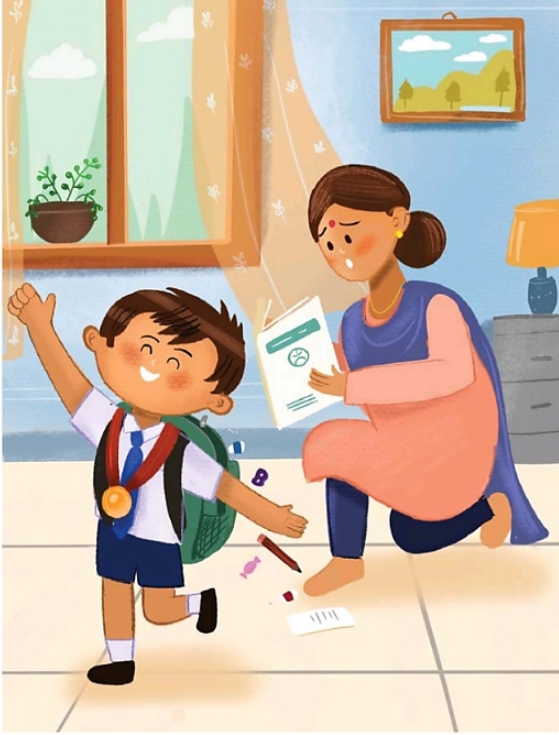

वीर एक समझदार छात्र था. वह मददगार और बहुत ही मजाकिया था, लेकिन लापरवाही बहुत करता था. पिछले कुछ दिनों से वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहा था.

एक दिन वह स्कूल से लौटा तो खुशी से उस ने मां को बताया, ''खेल प्रतियोगिता में कबड्डी में उस ने एक मैडल जीता है,'' मां मुसकरा दीं. उस ने खुश हो कर अपने बैग से मैडल निकाला और मां के सामने पहन कर आ गया.

मां ने खुश हो कर उसे प्यार से गले लगा लिया. उन्हें बहुत खुशी हो रही थी कि वीर खेल में भी बहुत अच्छा है.

वीर खाना खा कर आराम कर रहा था, तो मां ने उस का बैग कुरसी से उठा कर एक तरफ रख दिया. शायद बैग खुला हुआ था इसीलिए बैग से एक कौपी नीचे गिर गई. मां ने कौपी खोली और वीर की खराब लिखावट देख कर उन को बुरा लगा. वे कौपी वापस बैग में रख कर बहुत उदास हो गई थीं.

वीर 5वीं कक्षा में पढ़ रहा था और टीचर ने मां को बताया था कि वीर को अपनी लिखावट में सुधार करने की जरूरत है.

मां तो हमेशा उसे याद दिलाती रहती थीं, लेकिन वीर बहुत लापरवाह था. 'आखिर वह इतना गैर जिम्मेदार कैसे हो गया?' मां मन ही मन सोच रही थी, ''पहले वीर की लिखावट कितनी सुंदर थी.''

मां ने चुपचाप बैग खोला और सभी विषयों की एकएक कौपी खोल कर पढ़ीं.

उन की परेशानी बढ़ती ही जा रही थी. 'जल्द

ही कुछ न कुछ करना चाहिए,' वे बड़बड़ाती हुई कुछ सोचने लगीं और एक तरीका उन को समझ आया.

उन्होंने वीर से मदद मांगी. वीर झट से मदद को तैयार हो गया. उन्होंने कहा, ''उन के दफ्तर में किसी को फलदार पेड़ों के बारे में कुछ जानकारी चाहिए. हालांकि इंटरनैट पर सारी जानकारी मौजूद थी, लेकिन उन को कुछ आसान भाषा में चाहिए था.''

''तो मैं ने तुम से मदद मांगने के बारे में सोचा, तुम्हें ज्यादा समय नहीं लगेगा. रोज 20-25 मिनट बस,'' वीर की मां ने अपनी बात पूरी की.

ऐसा कह कर मां चुप हुईं और वीर का चेहरा देखने लगीं. वीर को प्रकृति से बहुत प्रेम था. वह माली से आम, अमरूद अंजीर, इमली और लीची के पेड़ों के बारे में पूछता रहता था. वह तैयार हो गया और बोला, ''मां, यह बहुत बेहतरीन काम है मेरी पसंद का, मैं इसे जरूर करूंगा.''

वीर ने 10 दिन में सब लिख कर देने का वादा किया. मां ने सुकून की सांस ली. दरअसल, मां का पहला कदम कामयाब रहा.

वीर ने अपने नए प्रोजैक्ट पर काम करना शुरू किया. वह हर दिन 20 मिनट यह काम करता था. मां सब गौर से देख रही थीं. वीर ने हर दिन खुशी से उस जानकारी को कौपी में लिखते समय हर शब्द का ध्यान रखा. अंत में काम खत्म करने के बाद उस ने कौपी मां को थमा दी. उस की लिखावट देख कर मां खुश हो गईं.

उस की मां खुश थीं. वीर ने आगे बढ़ कर एक कौपी और मांगी. उस ने बताया कि अब वह हिंदी और अंगरेजी दोनों भाषाओं में एकएक पेज की कविता हर दिन लिखेगा. मां मन ही मन खुशी से झूम उठीं. ●

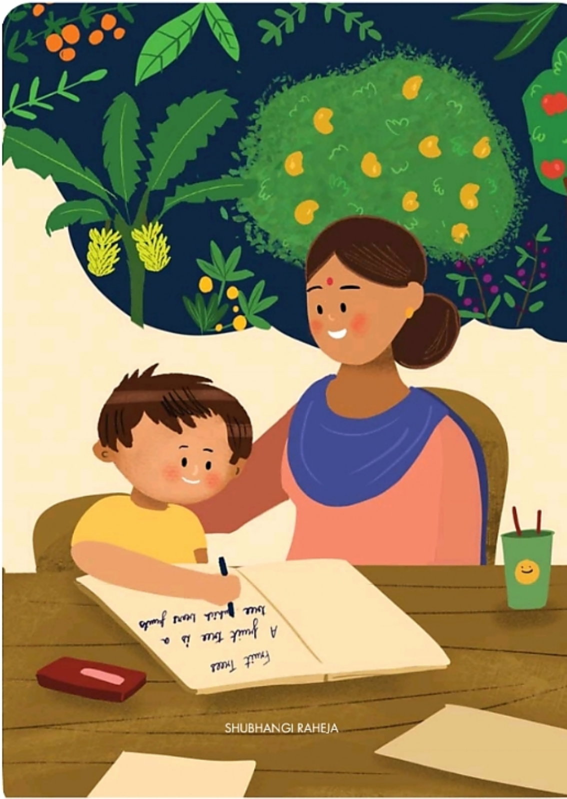
Fruit Trees
A fruit tree is a

SHUBHANGI RAHEJA

चित्र पूरा करें

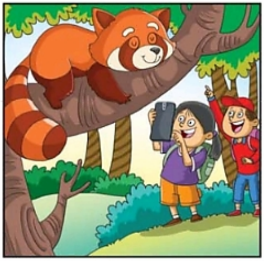

इस चित्र में कुछ
हिस्से खाली रह गए
हैं. चित्र को देखें, उन्हें
पूरा करें और फिर
इन में रंग भरें.

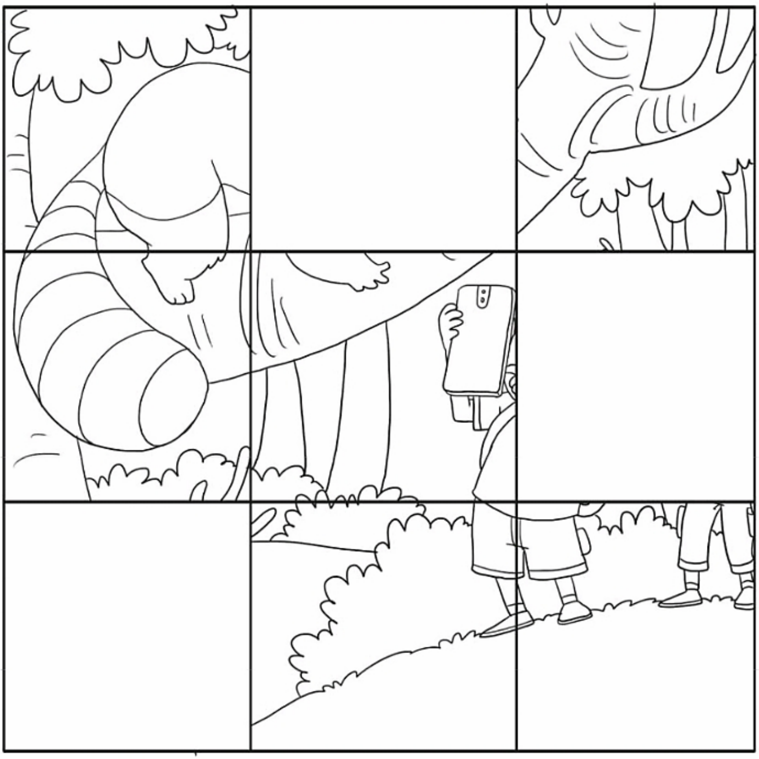

नदियों के नाम सही करें

26 सितंबर को विश्व नदी दिवस है. इस खतरनाक पुल से श्रुति को नदी पार करनी है. यहां नदियों के नाम उल्टेसीधे दिए गए हैं. उन को सही क्रम में लिखें और दूसरे किनारे तक जाने में श्रुति की मदद करें.

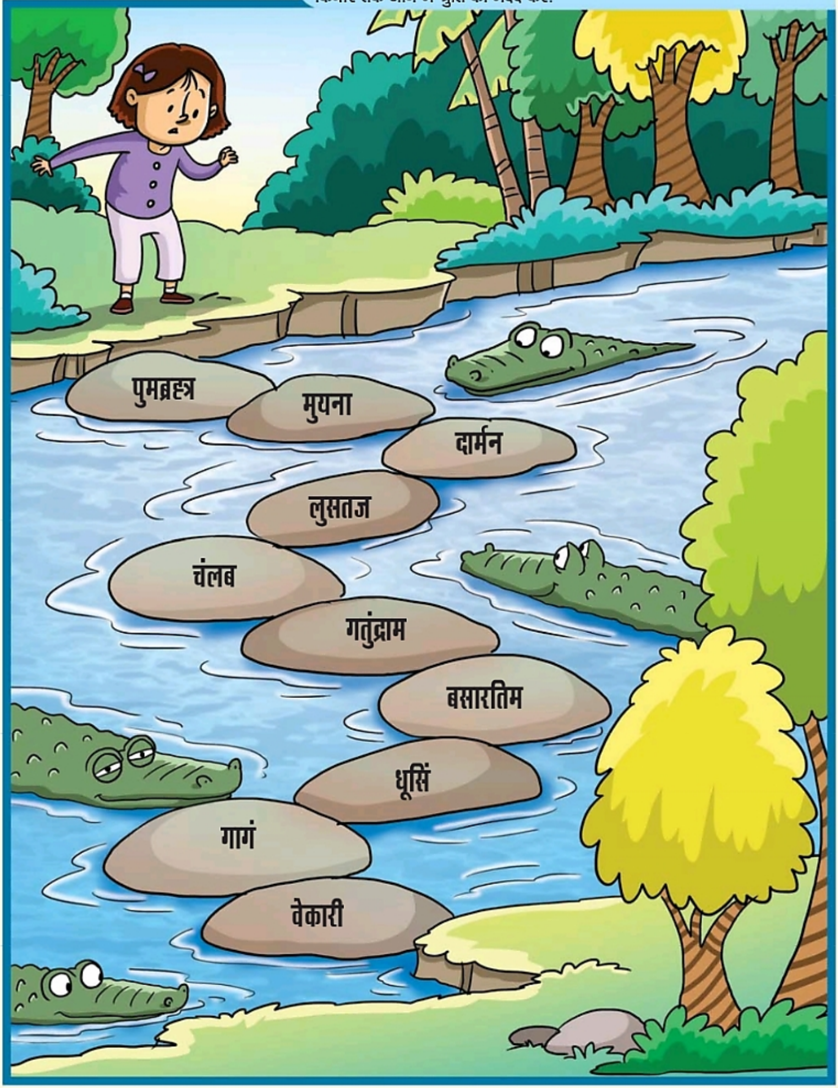
पुमब्रह्त्र
मुयना
दार्मन
लुसतज
चंलब
गतुंद्राम
बसारतिम
धूसिं
गागं
वेकारी

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

चोरी का रहस्य

कहानी ● सतीश राय

ब्राउनी भालू आइसक्रीम खाने का शौकीन था. उस के फ्रिज में बहुत फ्लेवर की आइसक्रीम भरी रहती थीं, जिस में वनीला, स्ट्रौबेरी और चौकलेट ब्राउनी की पसंदीदा आइसक्रीम थीं.

एक दिन सुबह ब्राउनी ने फ्रिज खोला तो वह परेशान हो गया. उस के फ्रिज से आइसक्रीम गायब थीं.

ब्राउनी ने फ्रिज का कोनाकोना छान मारा, लेकिन आइसक्रीम उसे कहीं नहीं मिलीं.

'पता नहीं, आइसक्रीम कहां गायब हो गईं. रात में तो फ्रिज में रखी थीं,' ब्राउनी ने मन ही मन कहा.

दोपहर को ब्राउनी ने बाजार से फिर आइसक्रीम खरीदीं. उस ने दो आइसक्रीम खाई और बाकी फ्रिज में ही रख दीं.

अगले दिन सुबह फिर फ्रिज से आइसक्रीम गायब थीं.

'जरूर कोई चोर रात को फ्रिज से आइसक्रीम चुरा रहा है, लेकिन चोर कौन है?' ब्राउनी के मन में कई सवाल उठ रहे थे.

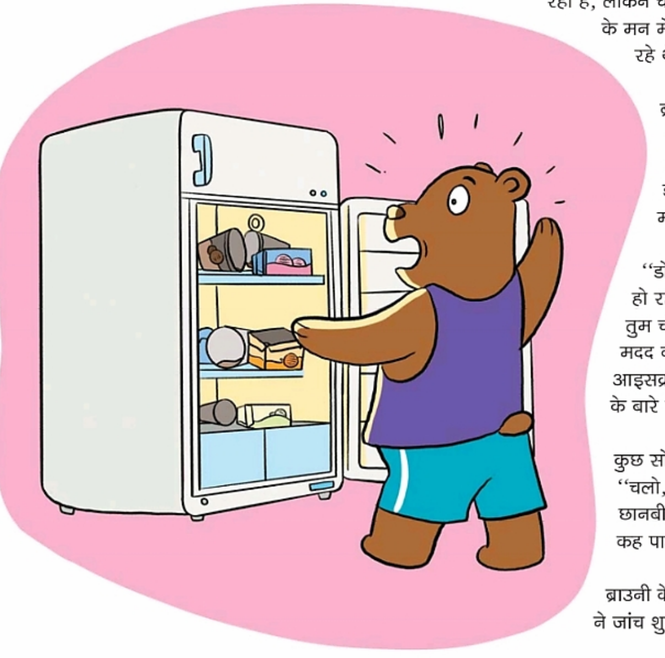

ब्राउनी ने चोर पकड़ने का मन बनाया. वह अपने जासूस दोस्त डोबी कुत्ते के पास मदद मांगने गया.

''डोबी, मेरे घर से चोरी हो रही है. मैं चाहता हूं कि तुम चोर को पकड़ने में मेरी मदद करो,'' ब्राउनी ने आइसक्रीम चोरी की घटना के बारे में बताया.

कुछ सोच कर डोबी बोला, ''चलो, तुम्हारे घर चलते हैं. छानबीन के बाद ही मैं कुछ कह पाऊंगा.''

ब्राउनी के घर पहुंच कर डोबी ने जांच शुरू की.

उस ने कमरे की अच्छी तरह तलाशी ली. फ्रिज के हैंडल पर लगे उंगलियों के निशान और फर्श से पैरों के निशान लिए.

एक घंटे तक जांच करने के बाद डोबी बोला, ''ब्राउनी, शायद चोर बहुत चालाक है. उस ने यहां एक भी सुबूत नहीं छोड़ा है. फर्श पर केवल तुम्हारे पैरों के निशान हैं और फ्रिज पर भी तुम्हारी उंगलियों के ही निशान मिले हैं.''

''तो क्या आइसक्रीम चोर कभी पकड़ा नहीं जाएगा? वह इसी तरह मेरी आइसक्रीम चुराता रहेगा?'' ब्राउनी ने रोनी सूरत बना कर पूछा.

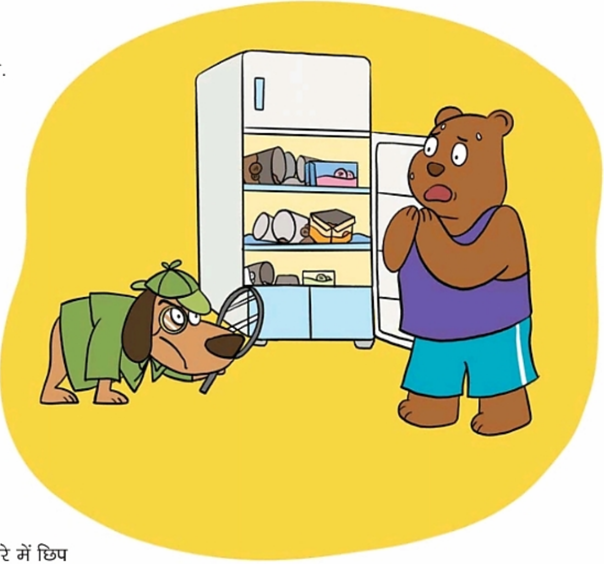

''तुम चिंता मत करो. आज रात मैं कमरे में छिप कर बैठा रहूंगा. जब रात को फ्रिज से चोर आइसक्रीम चुराने आएगा तो मैं उसे रंगे हाथ पकड़ लूंगा. तब तुम फ्रिज में आइसक्रीम रख देना,'' डोबी बोला.

रात को ब्राउनी ने कई फ्लेवर की आइसक्रीम फ्रिज में रख दीं. रात को डोबी सोफे के पीछे जा कर छिप गया. ब्राउनी भी उस के साथ था.

''ब्राउनी, तुम सावधान रहना. हमें चोर को रंगे हाथ पकड़ना है. मैं जैसे ही इशारा करूंगा, तुम उसे पकड़ लेना,'' डोबी ने धीरे से समझाया.

''मैं तैयार हूं. मैं आइसक्रीम चोर को छोड़ूंगा नहीं,'' ब्राउनी बोला.

धीरेधीरे रात बीतने लगी. चोर अब तक नहीं आया था. कुछ घंटे बाद सुबह भी हो गई.

''आज चोर नहीं आया. हमें कुछ दिन और छिप कर इंतजार करना होगा. कभी न कभी तो चोर जरूर पकड़ में आएगा,'' डोबी ने कहा.

हर रात ब्राउनी और डोबी छिप कर चोर का इंतजार करते. एक हफ्ते का समय गुजर गया. चोर का अब तक कोई पता नहीं चल पाया था.

ब्राउनी बोला, ''डोबी, एक हफ्ते से मैं रात को नहीं सोया हूं. यदि चोर आ जाए तो मुझे जगा देना.''

''ठीक है. तुम सो जाओ. मैं चोर को पकड़े बिना चैन से बैठने वाला नहीं,'' डोबी ने कहा.

कमरे की लाइट बंद कर ब्राउनी सोने चला गया.

आधी रात के बाद अचानक किसी के आने की आवाज सुनाई दी.

''शायद चोर आ रहा है,'' डोबी सर्तक हो गया.

कोई फ्रिज की तरफ बढ़ रहा था. अंधेरे में डोबी को

ठीक से कुछ भी नजर नहीं आ रहा था.

थोड़ी देर बाद फ्रिज खोल कर चोर आइसक्रीम खाने लगा.

फ्रिज खुलते ही रोशनी में चोर का चेहरा डोबी को साफ नजर आ गया. आइसक्रीम खाने के बाद चोर चला गया.

''अच्छा, तो यह है आइसक्रीम चोर,''
डोबी हैरान था.

अगले दिन ब्राउनी ने सुबह उठ कर फ्रिज खोला तो फिर आइसक्रीम गायब थीं.

वह तुरंत डोबी के पास गया. डोबी बिस्तर पर आराम से सो रहा था.

''डोबी, तुम सो रहे हो और रात में चोर ने फिर आइक्रीम चुरा लीं,'' ब्राउनी चिल्लाया.

आंखें मलता हुआ डोबी उठा, ''शांत हो जाओ ब्राउनी, आइसक्रीम चोर पकड़ा गया है. कल रात जब वह आइसक्रीम चुराने आया तो मैं ने उसे देख लिया.''

''अगर चोर आया था तो तुम ने मुझे जगाया क्यों नहीं. मुझे उस का नाम बताओ. मैं उसे पुलिस के हवाले कर दूंगा,'' ब्राउनी ने कहा.

''थोड़ा सब्र करो. तुम जल्दी तैयार हो जाओ. चोर की सच्चाई तुम जल्द जान जाओगे,'' डोबी ने बताया.

''डोबी, तुम मुझे डाक्टर हैप्पी के पास क्यों ले आए? क्या हैप्पी ने ही आइसक्रीम चुराई है?'' ब्राउनी ने पूछा.

डोबी ने हंस कर कहा, ''नहीं, नहीं. डाक्टर हैप्पी ने कोई चोरी नहीं की है. तुम अंदर चलो. सबकुछ समझ आ जाएगा.''

डोबी को देख कर डाक्टर हैप्पी बोला, ''मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था.''

डाक्टर हैप्पी ने ब्राउनी को कुरसी पर बैठा कर जांच शुरू की.

ब्राउनी को कुछ समझ नहीं आ रहा था, ''आखिर, मेरी जांच क्यों की जा रही है? मुझे क्या हुआ है.''

डोबी ने रहस्य खोला, ''ब्राउनी, तुम्हारे घर से आइसक्रीम चुराने वाला चोर कोई और नहीं बल्कि तुम खुद हो.''

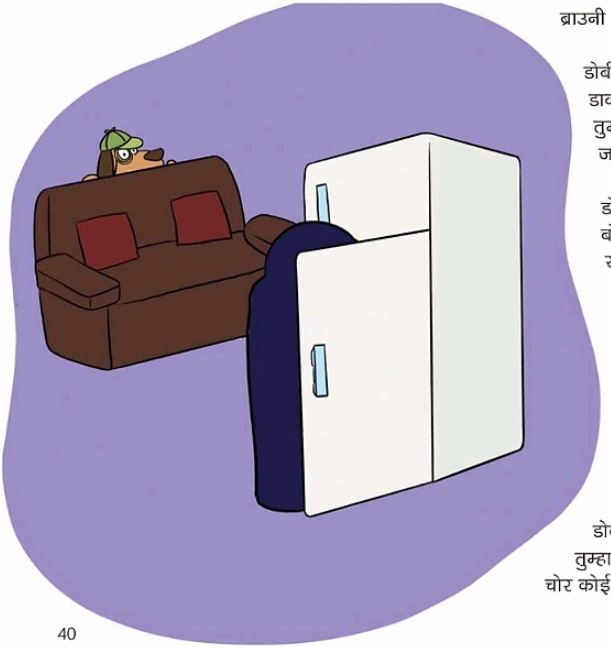

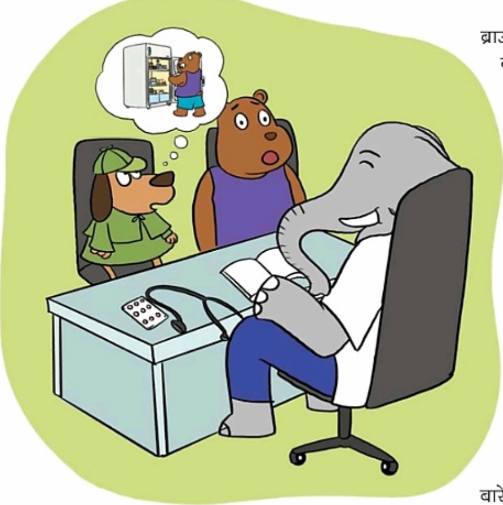

''पर मैं अपने ही घर की आइसक्रीम खुद क्यों चुराऊंगा?'' ब्राउनी ने हैरानी से पूछा.

डाक्टर हैप्पी ने कहा, ''मैं समझता हूं ब्राउनी, दरअसल, तुम्हें नींद में चलने की बीमारी है. इस बीमारी को स्लीप वौकिंग कहा जाता है. रोगी गहरी नींद में अचानक उठ कर चलने लगता है. रोगी इस दौरान ठीक वैसे ही काम करता है जैसा वह जागते समय करता है. थोड़ी देर बाद वह फिर सो जाता है. सुबह उसे रात की घटना याद ही नहीं रहती. तुम भी नींद में ही आइसक्रीम खा लेते थे औरे सुबह तुम्हें कुछ भी याद नहीं रहता था.''

डोबी बोला, ''इसी कारण छानबीन करने पर फ्रिज और उस के आसपास सिर्फ तुम्हारे पैरों और उंगलियों के निशान मिले थे. कल रात जब मैं ने तुम्हें नींद में चल कर आइसक्रीम खाते देखा तो आश्चर्य में पड़ गया. मैं ने रात में ही डाक्टर हैप्पी को फोन कर इस की जानकारी दी. उन्होंने ही मुझे इस बीमारी के बारे में बताया और सुबह आने की सलाह दी.''

ब्राउनी रोने लगा, ''अब क्या होगा डाक्टर, मेरी बीमारी कैसे ठीक होगी.''

''घबराओ नहीं. कई लोगों को यह बीमारी होती है. मैं कुछ दवाइयां लिख देता हूं. जल्द ही तुम्हारी बीमारी ठीक हो जाएगी,'' डाक्टर ने समझाया.

आइसक्रीम चोर की असलियत जान कर ब्राउनी झेंप गया, ''डोबी, मैं माफी चाहता हूं. चोर मैं खुद था और शक दूसरों पर कर रहा था. तुम ने मेरी मदद की, इस के लिए धन्यवाद.''

''ब्राउनी, इस में तुम्हारी गलती नहीं है. तुम यह चोरी जानबूझ कर नहीं बल्कि बीमारी की वजह से करते थे. अच्छा हुआ इस बारे में समय रहते पता चल गया,'' डोबी ने मुसकरा कर कहा.

दोनों दोस्त आइसक्रीम खाने निकल पड़े. ●

WHITEDOTGINGER

दादाजी और जीरो इमिशन डे

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती

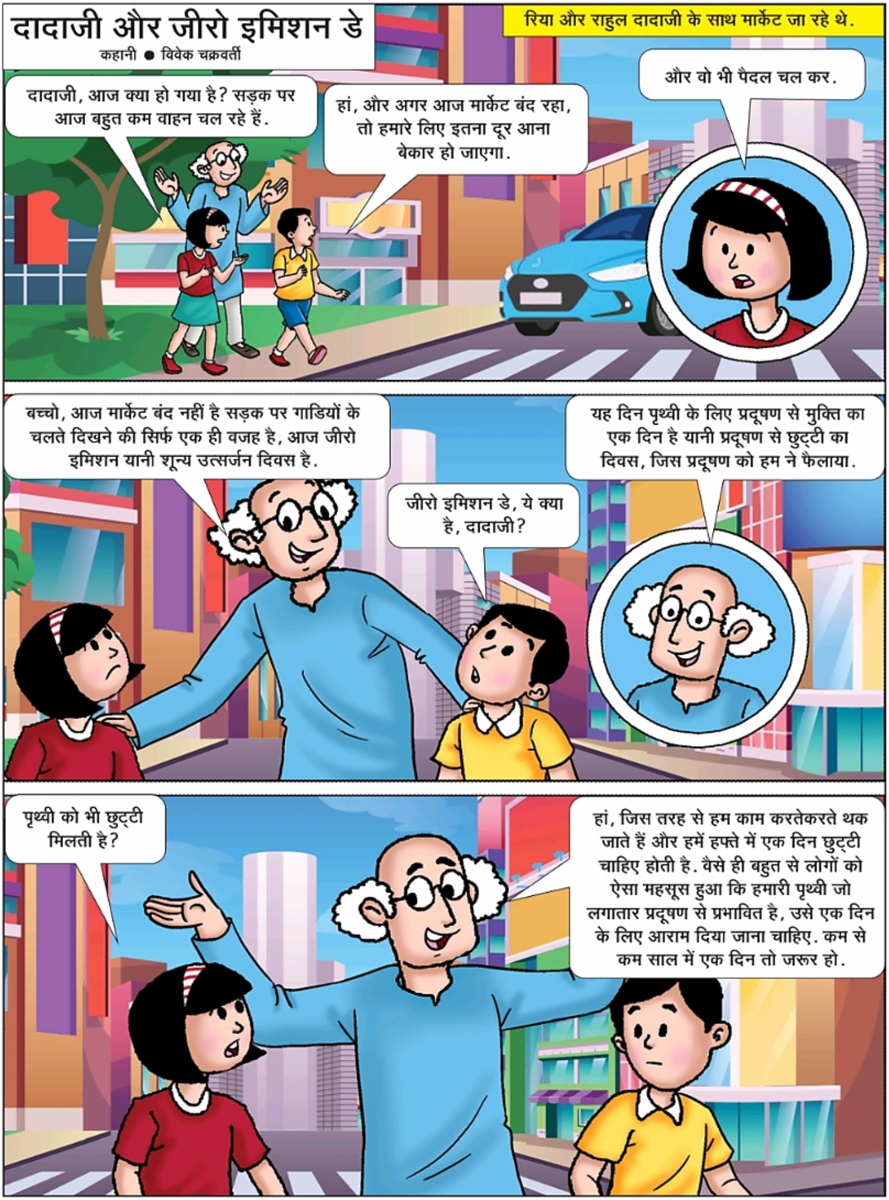
रिया और राहुल दादाजी के साथ मार्केट जा रहे थे.
दादाजी, आज क्या हो गया है? सड़क पर आज बहुत कम वाहन चल रहे हैं.
हां, और अगर आज मार्केट बंद रहा, तो हमारे लिए इतना दूर आना बेकार हो जाएगा.
और वो भी पैदल चल कर.
बच्चो, आज मार्केट बंद नहीं है सड़क पर गाडियों के चलते दिखने की सिर्फ एक ही वजह है, आज जीरो इमिशन यानी शून्य उत्सर्जन दिवस है.
जीरो इमिशन डे, ये क्या है, दादाजी?
यह दिन पृथ्वी के लिए प्रदूषण से मुक्ति का एक दिन है यानी प्रदूषण से छुट्टी का दिवस, जिस प्रदूषण को हम ने फैलाया.
पृथ्वी को भी छुट्टी मिलती है?
हां, जिस तरह से हम काम करतेकरते थक जाते हैं और हमें हफ्ते में एक दिन छुट्टी चाहिए होती है. वैसे ही बहुत से लोगों को ऐसा महसूस हुआ कि हमारी पृथ्वी जो लगातार प्रदूषण से प्रभावित है, उसे एक दिन के लिए आराम दिया जाना चाहिए. कम से कम साल में एक दिन तो जरूर हो.

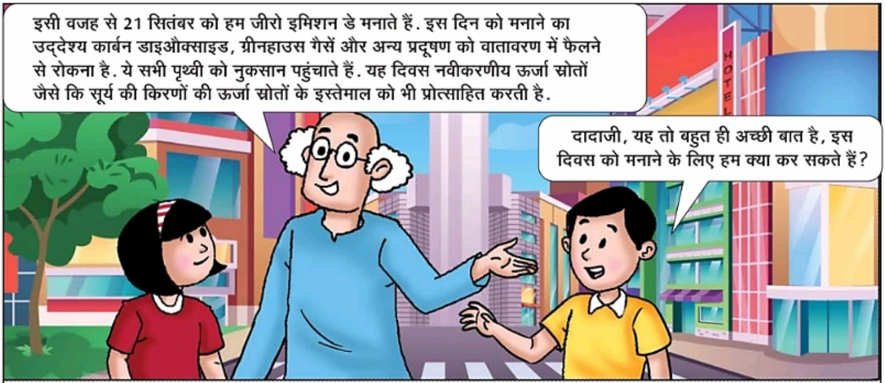
इसी वजह से 21 सितंबर को हम जीरो इमिशन डे मनाते हैं. इस दिन को मनाने का उद्देश्य कार्बन डाइऑक्साइड, ग्रीनहाउस गैसें और अन्य प्रदूषण को वातावरण में फैलने से रोकना है. ये सभी पृथ्वी को नुकसान पहुंचाते हैं. यह दिवस नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे कि सूर्य की किरणों की ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल को भी प्रोत्साहित करती है.
दादाजी, यह तो बहुत ही अच्छी बात है, इस दिवस को मनाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?
HOTEL

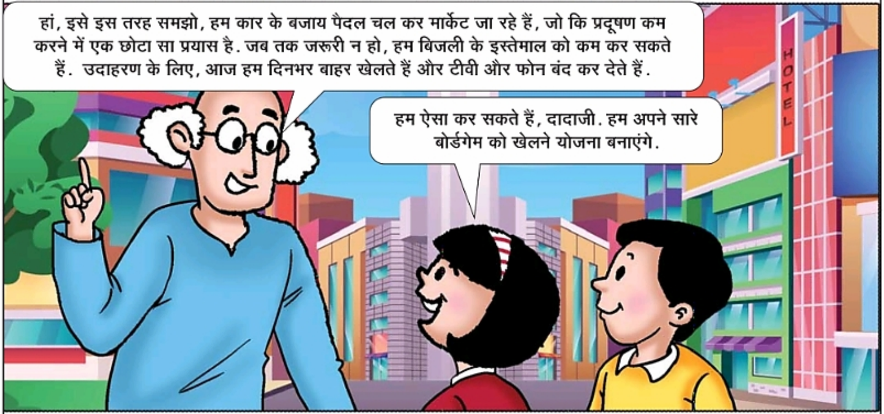
हां, इसे इस तरह समझो, हम कार के बजाय पैदल चल कर मार्केट जा रहे हैं, जो कि प्रदूषण कम करने में एक छोटा सा प्रयास है. जब तक जरूरी न हो, हम बिजली के इस्तेमाल को कम कर सकते हैं. उदाहरण के लिए, आज हम दिनभर बाहर खेलते हैं और टीवी और फोन बंद कर देते हैं.
हम ऐसा कर सकते हैं, दादाजी. हम अपने सारे बोर्डगेम को खेलने योजना बनाएंगे.
HOTEL

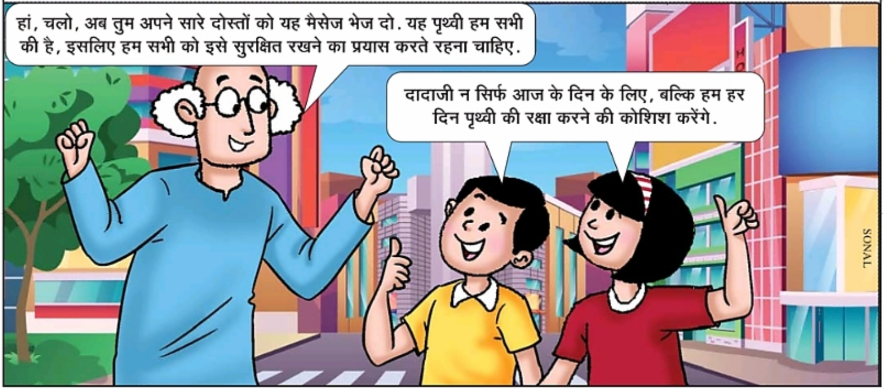
हां, चलो, अब तुम अपने सारे दोस्तों को यह मैसेज भेज दो. यह पृथ्वी हम सभी की है, इसलिए हम सभी को इसे सुरक्षित रखने का प्रयास करते रहना चाहिए.
दादाजी न सिर्फ आज के दिन के लिए, बल्कि हम हर दिन पृथ्वी की रक्षा करने की कोशिश करेंगे.
SONAL

नन्ही कलम से

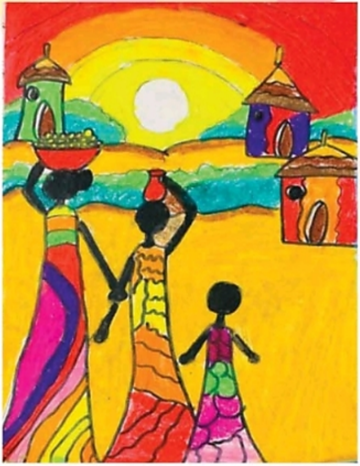

हृदयेशा शर्मा, 8 वर्ष
हरियाणा

क्या होता अगर मैं चिड़िया होती

हर कोई चिड़िया को प्यार करता है, सुंदर और रंगीन चिड़िया, चील का ही एक प्रकार है, जो रात में भी उड़ना नहीं छोड़ती और तब क्या होता, अगर मैं इसी चील की तरह चिड़िया होती? मैं हमेशा प्रकाश में उड़ा करती. हवा के पूल यानी पोखर में तैरती रहती और बादलों की सीढ़ी पर चढ़ जाया करती. जब मैं थक जाती तो किसी के अहाते में बैठ जाया करती और फिर थोड़ा आराम कर लेती तथा बाद के लिए थोड़ा बचत कर लेती.

रानिशा मित्रा, 12 वर्ष
कोलकाता

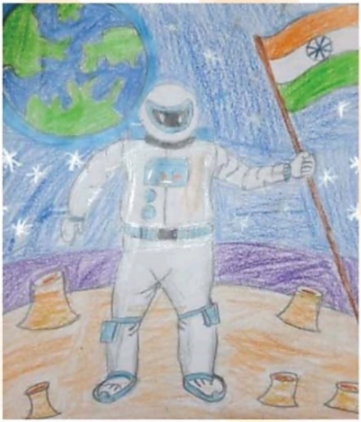

कार्तिक जोशी, 6 वर्ष, मुंबई

सफेद रंग

बादलों का रंग सफेद है. वे आकाश में तैरते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं. बर्फ का रंग भी सफेद है, जिसे बच्चे फेंकना और खेलना पसंद करते हैं. दूध का रंग कैसा है, जिसे सभी बच्चों को पीना चाहिए? ध्रुवीय भालू का रंग सफेद है, जो ध्रुव क्षेत्र में बर्फीली आर्कटिक खोह यानी गुफाओं में रहता है. चांद का रंग सफेद है, जो हमारे बेडरूम यानी शयनकक्ष में प्रकाश डालता है.

आर सहाना, 11 वर्ष
चैन्नई

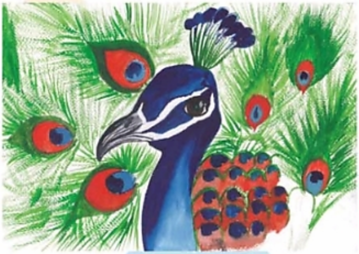

सोनी सहाय, 11 वर्ष
हरियाणा

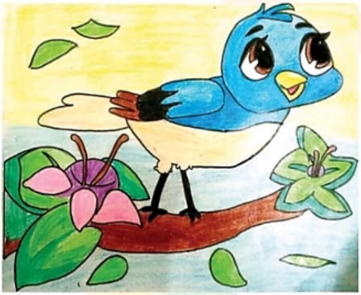

अनंत सिंह भदौरिया

लालची मत बनो

लालची मत बनो, लालच लोगों को बरबाद कर देता है, चाहे वह टार्जन का राजदूत ही क्यों न हो, लालच किसी को नहीं छोड़ता. मैं सूरज की रोशनी में दौड़ना पसंद करता हूं, अपनी जिंदगी में मैं ने बहुत मजे लिए. लालची मत बनना. मेरे पास एक खिलौना बंदूक है, 1000 किलोग्राम का मतलब होता है, एक टन. जौर्ज का एक बेटा है. लालच एक व्यक्ति को बरबाद कर सकता है, इसलिए लालची मत बनो. कुछ लोग जरूरतमंद होते हैं, इसलिए उन्हें रुपए दो और लालची कभी भी मत बनो.

तनुष त्यागी, 8 वर्ष
ठाणे

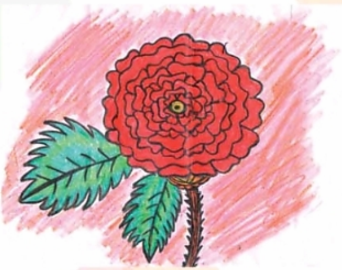

इकरा दानिश, 13 वर्ष
बिहार

स्कूल के दिन

जब मैं स्कूल गया था, वे दिन बहुत ही यादगार थे. अब वे दिन नहीं रहे, जब मैं ने स्कूल छोड़ा था. मैं एक बच्चा नहीं रह गया था, मैं विचारों, कल्पनाओं और रचनात्मकता का एक बंडल बन गया था और वास्तव में देखा जाए तो मेरे स्कूल छोड़ने के बाद ये दिन भी ठीक नहीं रहे. जब मैं स्कूल में था, तो वह पूरी तरह से मैं ही था. अब मैं स्कूल से बाहर हूं. और वह शायद ही मैं हो सकता हूं. स्कूल जाना कठिन नहीं था, बल्कि जल्दी उठना कष्ट कर था. अपने दोस्तों को न देखना कठिन नहीं था, बल्कि हमेशा के लिए विदा होना कठिन है. मैं आज जो कुछ भी हूं, ऐसा बनाने वाला मेरा स्कूल ही है. मेरा स्कूल सिर्फ पढ़ने के लिए ही नहीं था, बल्कि यह मेरे प्यारे शिक्षकों और बेवकूफ दोस्तों के लिए भी सबकुछ था. मुझे वे दिन याद आते हैं जब मैं स्कूल में था, वे ऐसे दिन थे, जिन्होंने मुझे ढाला था, जैसा आज मेरा व्यक्तित्व है. उन दिनों को वापस नहीं लाया जा सकता, न ही उन्हें मेरे विचारों से दूर किया जा सकता है. इसीलिए वे दिन यादगार हैं, जब मैं स्कूल में था या स्कूल जाया करता था.

रोशेल ठाकुर, 12 वर्ष
नागपुर

यह एक स्ट्रौबरी है, जिसे हमारी 8 वर्षीय पाठिका स्मृति ने बनाया है.

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:

चंपक, दिल्ली प्रैस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई- 400031
writetochampak@delhipress.in 8657402248
www.facebook.com/ChampakMagazine
http://www.youtube.com/ChampakSciQ

हम आप की सामग्री लौटा
नहीं सकते इसलिए हमें भेजी
सामग्री की कापी अपने
पास रखें.

अंतर बताओ

यहां 10 गलतियां हैं. आप उन गलतियों को ढूंढ़ कर बताएं.

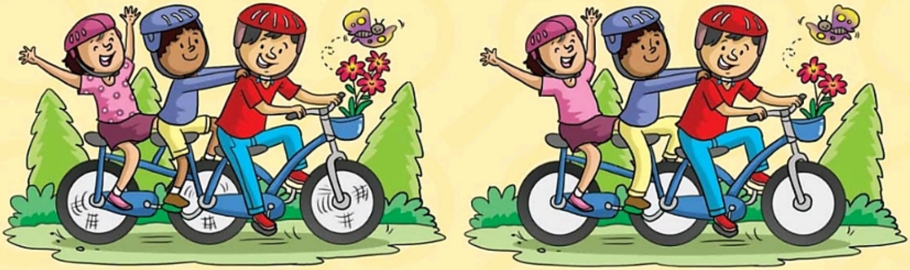

हमारी और उन की आवाज

तोता आमतौर पर आवाज की नकल करने के लिए जाना जाता है, जैसे कि कुत्तों के भौंकने और सुरक्षा अलार्म की आवाज निकालना. कभीकभी वे शब्दों को भी दोहराते हैं, जबकि मनुष्य के विपरीत तोता के पास मुखर तार यानी वोकल कौर्ड्स या होंठ नहीं होते हैं. तोता एक मुखर अंग है, जिसे सिरिंक्स कहते है, का इस्तेमाल करता है जो विभिन्न तरह की ध्वनियों को उत्पन्न करने के लिए गले के भीतर की हवा की गति को नियंत्रित करता है. एक ही समय में सिरिंक्स, दो किस्म की ध्वनि को उत्पन्न भी कर सकता है. जब हवा सिरिंक्स से हो कर जाती है, तब तोता अपनी जीभ को आवाज उत्पन्न करने के लिए घुमाताफिराता है.

तोतों की सभी प्रजातियों में अफ्रीकन ग्रे पैरोट यानी अफ्रीका के भूरे तोतों को सब से ज्यादा तेज, बुद्धिमान माना जाता है और इन की याददाश्त काफी अच्छी होती है. इसी वजह से यह एक बड़ी शब्दावली को सीख जाता है.

अफ्रीकन ग्रे पैरोट न केवल मनुष्य की भाषा बोलता है बल्कि यह यह एकमात्र पक्षी है जो इस बात को समझता है कि वह क्या बोला है. इस समझदारी के लिए इन को जाना जाता है. वह समझते हैं कि हरेक शब्द का क्या मतलब है. एक अफ्रीकन ग्रे तोता, जिस का नाम आइंस्टाइन है, उन के पास 200 शब्दों की शब्दावली और इतनी ही आवाजें हैं. वह अंतरिक्षयान, बंदर और यहां तक कि बदमाश आवाज को निकाल सकता है.

कुछ तोतों की प्रजातियां 80 साल से भी अधिक वर्ष तक जीवित रह सकती हैं.

खुशियों की बारिश

कहानी ● इंद्रजीत कौशिक

''जेहरा बेटा, मैं खरीदारी करने बाजार जा रही हूं. कुछ देर में वापस आ जाऊंगी. तब तक तुम कमरे के अंदर बैठ कर पढ़ाई करो और हां, बारिश आए तो भीगना मत,'' मां की बात सुन कर 10 साल का साहिल कमरे के अंदर जा कर पढ़ाई करने लगा.

थोड़ी देर बाद ही अचानक तेज बारिश शुरू हो गई. कुछ ही देर में लाइट भी चली गई तो जेहरा को कमरे की खिड़की खोलनी पड़ी.

उस ने खिड़की से झांक कर देखा कि कालौनी के बच्चे बारिश के पानी में खूब मस्ती कर रहे थे.

''तुम भी आओ न जेहरा, बारिश के पानी में भीगने का मजा ही कुछ और है,'' मोहन ने खिड़की से झांक रही जेहरा को बाहर आने का इशारा किया.

''नहीं दोस्त, मैं नहीं आ सकती. मेरी मां कहती हैं कि बारिश में नहाने से ठंड लग जाती है. उन्होंने मुझे पानी में भीगते हुए देख लिया तो मुझे डांट पड़ जाएगी,'' जेहरा ने कहा.

हालांकि उस का मन भी कर रहा था कि वह अपने दोस्तों के साथ बारिश के पानी में खूब मस्ती करे.

''देखो न, हम सभी यहां नहा रहे हैं. हमें तो नहीं लगी सर्दी, हम तो हर बारिश में ऐसा ही करते हैं,'' मोहन ने कहा, ''एक बार नहा कर तो देखो, खूब मजा आएगा.''

जैसे ही बारिश और तेज हुई खिड़की से कमरे में पानी आने लगा तो जेहरा को खिड़की बंद करनी पड़ी.

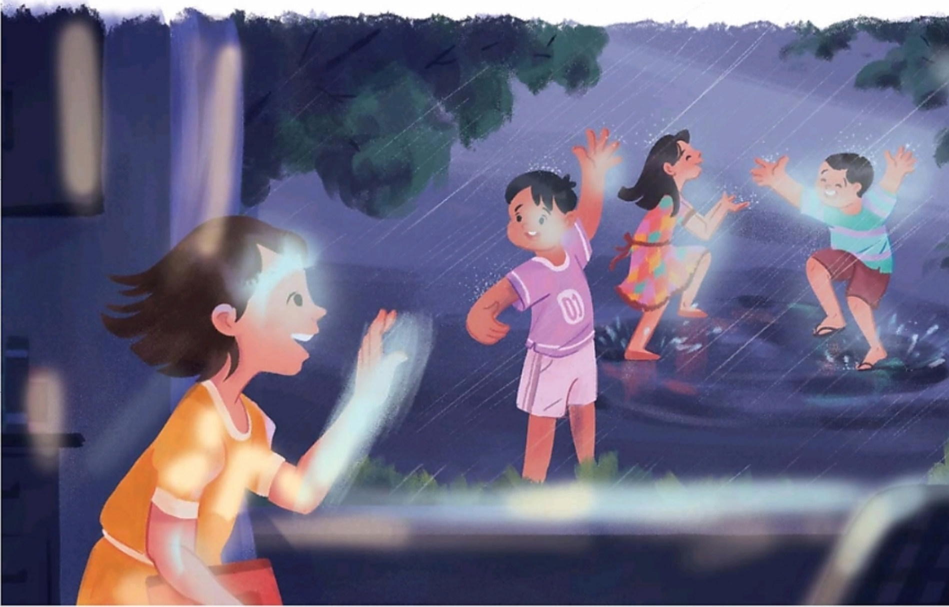

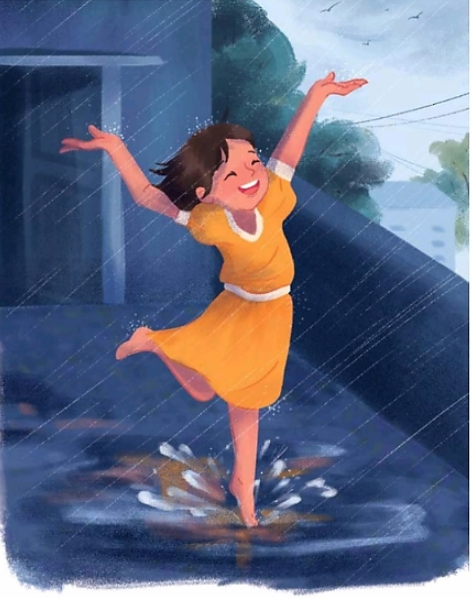

बच्चों को बारिश में मस्ती करते देख कर उसे बहुत अच्छा लग रहा था.

'इतनी बारिश में मां कहीं रुक गई होंगी, क्यों न मैं उन के लौटने से पहले छत पर जा कर बच्चों की मस्ती देखूं,' यह सोच कर जेहरा अपने कमरे से निकली और सीढ़ियों के रास्ते दौड़ती हुई छत पर जा पहुंची.

बारिश इतनी तेज थी कि थोड़ी देर में ही वह पूरी भीग गई. झमाझम हो रही तेज बारिश में नहा कर जेहरा को खूब मजा आ रहा था. वह छत पर अकेली ही उछलनेकूदने लगी.

''तुम ने सही कहा मोहन, बारिश में नहाने का मजा ही कुछ और है,'' उस ने छत से झांक कर नीचे खड़े मोहन से कहा.

तभी जेहरा को सामने से स्कूटी पर बैठी मां आती हुई दिखाई दे गईं तो वह झटपट छत से नीचे उतर आई.

''मां, मेरी ड्राइंग की कौपी छत पर ही रह गई थी, मैं उसे लेने वहां गई तो बारिश में भीग गई,'' डांट के डर से जेहरा ने मां के सामने बहाना बनाते हुए कहा.

जेहरा का मासूम चेहरा देख कर मां को हंसी आ गई, ''मैं सब जानती हूं बेटा. तुम्हारी ड्राइंग की कौपी छत पर नहीं बल्कि स्टडीरूम की टेबल पर है. अब तुम जल्दी से कपड़े बदल लो, मैं तुम्हारे लिए गरमागरम पकौड़े बना कर लाती हूं.''

मां का मुसकराता हुआ चेहरा देख कर जेहरा की जान में जान आई. उसे तो लग रहा था कि मां भीगने के लिए उसे खूब डांटेंगी. उस ने जा कर गीले कपड़े उतारे और सूखे कपड़े पहन लिए. तब तक मां उस के लिए गरम पकौड़े और चाय ले कर आ गईं.

थोड़ी देर बाद बारिश भी रुक गई तो जेहरा ने फिर से कमरे की खिड़की खोल दी, ''बाहर आओ न जेहरा, देखो मैं तुम्हें कुछ दिखाता हूं,'' उस का दोस्त बाहर से चिल्लाया.

''मां, क्या मैं थोड़ी देर के लिए बाहर जा सकता हूं?'' साहिल ने मां से पूछा तो उन्होंने हां में सिर हिलाया.

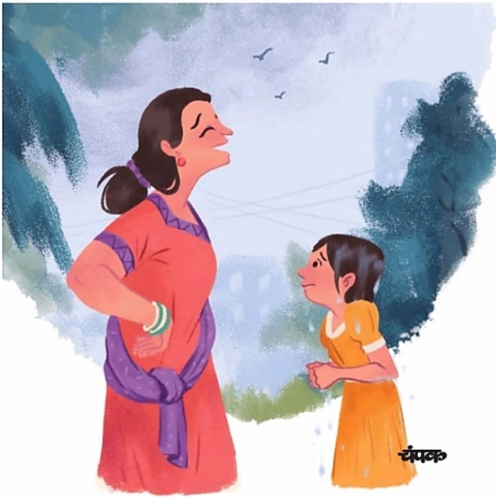

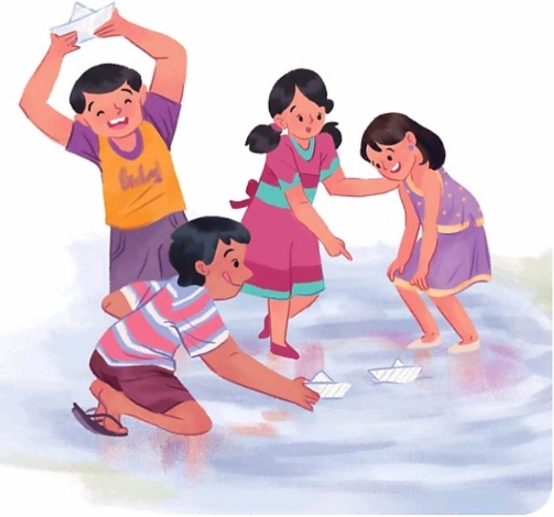

“आओ, मेरे साथ आओ साहिल,” मोहन और उस की दोस्त जेहरा को अपने साथ ले गए. बारिश का पानी जमा होने से वहां एक तालाब जैसा बन गया था.

मोहन अपने साथ रद्दी पेपर का एक बंडल ले कर आया था. उस ने उन पन्नों से कागज की नावें बना कर एक जेहरा को सौंप दी.

“लो, संभालो अपनी नाव, इसे पानी में छोड़ दो. देखते हैं किस की नाव आगे निकलती है.”

जेहरा की आंखें उत्साह से छलक रही थीं. पानी में छोड़ते ही हवा के साथ नावें आगे बढ़ चलीं. जेहरा को इस खेल में बहुत मजा आ रहा था.

कभी उस की तो कभी मोहन की कागज की नाव आगे हो जाती थी. तभी अचानक मोहन की नाव पानी में डूब गई. यह देख कर जेहरा जोरजोर से हंसने लगी.

“वह देखो, अब डूबने की बारी तुम्हारी नाव की है,” इस बार साहिल वाली नाव डूब जाने से मोहन जोरजोर से हंसने लगे.

पास ही सड़क किनारे एक ठेले पर गरमागरम भुट्टे सिक रहे थे. उस की सौंधी खुशबू पूरे वातावरण में फैल रही थी.

मोहन ने ठेले वाले से दो भुट्टे खरीदे और एक जेहरा को भी दे दिया, “ बहुत ही स्वादिष्ठ हैं. मैं ने इस का पौपकौर्न तो खाया है पर भुट्टा पहली बार खा रहा हूं,” कहते हुए साहिल ने अपने मोबाइल से मोहन के साथ भुट्टा खाते हुए सैल्फी ली.

“अब मेरे साथ आओ न, मैं तुम्हें अपनी मां से मिलवाता हूं. वे तुम से मिल कर बहुत खुश होंगी,”

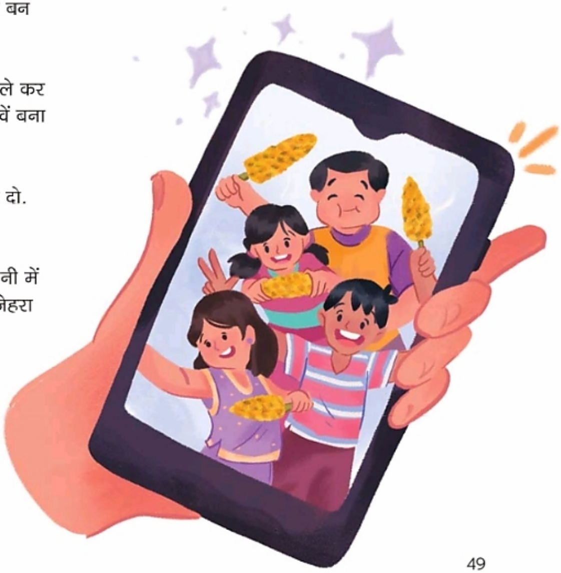

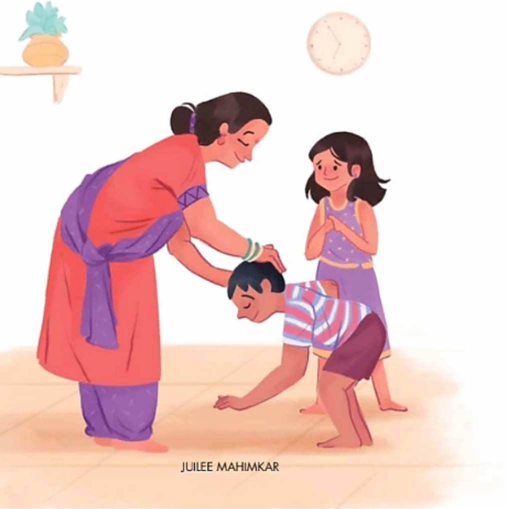

JUILEE MAHIMKAR

जेहरा ने नए बने दोस्त मोहन से कहा.

"मेरी मां का बहुत पहले ही मर गई दोस्त, इसलिए मैं मां के बारे में ज्यादा नहीं जानता, पर सुना है कि मां अपने बच्चों से बहुत प्यार करती हैं," कहते हुए मोहन की आंखों में आंसू आ गए.

"मेरी मां बहुत अच्छी हैं, तुम्हें उन से मिल कर बहुत अच्छा लगेगा," साहिल ने मोहन से कहा और उसे अपने साथ घर ले कर आया.

"मैं ने अपने बेटे को इतना खुश कभी नहीं देखा. अंदर आओ बच्चो, तुम दोनों बैठो, मैं अभी खाना लगाती हूं," जेहरा की मां ने मोहन से कहा तो उस ने नीचे झुक कर उन के पाव छू लिए. ●

उत्तर पृष्ठ :

पृष्ठ 11 : कार मुक्त दिवस : हरेक रुट यानी मार्ग पर निम्न संख्या में बसों की जरूरत होगी.
A - 2 बसें, B- 3 बसें, C- 4 बसें, D- 1 बस, E-1 बस.

पृष्ठ 20 : सही अंक का पता लगाएं :

2,000 + 500 = 2,500
500 + 50 = 550
1,000 + 1,500 = 2,500
450 + 2,000 = 2,500
1,500 + 500 = 2,000

पृष्ठ 25 : समय बताएं : जहाज सुबह 9:35 बजे गोल्डी गोल्ड आइलैंड पर पहुंचेगा. यह आइसले सिल्वरी शाहनी पर समुद्री डाकुओं को अंतिम बंदरगाह तक पहुंचने में 7 घंटे लगेंगे.

पृष्ठ 37 : नदियों के नाम सही करें :

ब्रह्मपुत्र
चंबल
सतलज
सिंधु
साबरमती
नर्मदा
कावेरी
तुंगभद्रा
यमुना
गंगा

पृष्ठ 21 : ओजोन परत की रक्षा करें :

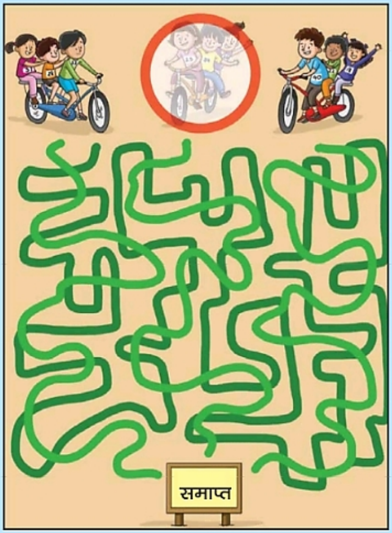

WE SPEAK IN 30 DIFFERENT CONSUMER VOICES.

BECAUSE EVERY BRAND IS UNIQUE.

With virtually every age group, income segment and language covering 30 million Indians, we are the most diverse magazine group in India. So next time you want to address anyone in India, you are better off speaking to the **Delhi Press** Group today.

DELHI PRESS

To subscribe to our magazines Call/SMS/WhatsApp: 08588843408,

E-mail: subscription@delhipress.in, You can also subscribe online at www.delhipress.in/subscribe

THE CARAVAN CHAMPAK सरिता गृहशोभा चंपक मुक्ता सरस सलिल फार्म फूड सत्यकथा मनोहर कहानियां

ગૃહશોભા ચંપક सरस सलिल गृहशोभिका चंपक सरस सलिल গৃহশোভা கிருஹஷோபா சம்பக் சாரல் గృహశోభ ಚಂಪಕ

ಗೃಹಶೋಭಾ ഗൃഹശോഭ ചംപക് સલિલ చంపక్ Highlights CHAMPS Highlights Genies MOTORING WORLD

(REGISTERED) RNI 16420/68 DL(C)-14/1093/2021-23 WPP U(C)148/40/2021-23 P.O. SRT Nagar, ND-55 Posting Dt. 16 to 22 Published on 12/09/2021. Pgs. 52.

STOMAFIT®

लिक्विड व टैबलेट

SUNCARE
A WHO GMP COMPANY
SURE SAFE SECURE

सुनो जी, सब लोग कोरोना की वजह से तो थे ही हैरान, अब पेट की गैस ने भी कर दिया है परेशान।

वैक्सीन नहीं लगवायेंगे तो आखिर में पछतायेंगे। सबको समझना होगा वैक्सीन है कोरोना का कवच और स्टोमाफिट ही दूर करेगा पेट की गैस व अपच।

New Pack
अपच व ऐसीडिटी से तुरंत आराम
ANTACID LIQUID WITH BISMUTH & BELLADONNA
STOMAFIT LIQUID
KEEPS STOMACH FIT & HEALTHY
450 ML
STOMAFIT CHEWABLE
SOOTHING RELIEF FROM
90 TABLETS

450ML, 200ML, 100ML, 90 TABLETS

HAEMOCAL®

Delicious Taste

ग्लूकोज़ से भरपूर आयरन टॉनिक

शहद सा गाढ़ा
संतरे सा स्वाष्टि

माना कि बच्चों की सुरक्षा है बड़ों की जिम्मेदारी।
हेमोकॉल करे खून और फोलेट की कमी से रक्षा हमारी।
आप भी मान लो बात हमारी
हेमोकॉल के रोजाना इस्तेमाल में ही है समझदारी।

New Pack
HAEMOCAL
Delicious Taste
Iron Tonic with Folic Acid
TANGY ORANGE FLAVOUR

300ML, 450ML

परिवार के हर उम्र के—
सदस्य के लिए लाभकारी...

HAEMOCAL-Z जिंक के साथ उपलब्ध(450ml)

SCAN TO BUY HAEMOCAL

Please contact for more information:
SUNCARE FORMULATIONS PVT. LTD.
Ph.: 8447977889/ 999, 011-46108735, Mail: info@stomafit.com
Available on all major Online Pharmacies

SCAN TO BUY STOMAFIT